शुक्रवार
05 जनवरी 2024

पृष्ठ 4

क्या वजन कम करने के लिए आप भी दिन दिनभर रहते हैं भूखे

पृष्ठ 5

एनिमल में हॉट सीन से गर्दा उड़ाने के बाद तृप्ति डिमरी ने फिर लूटी महफिल

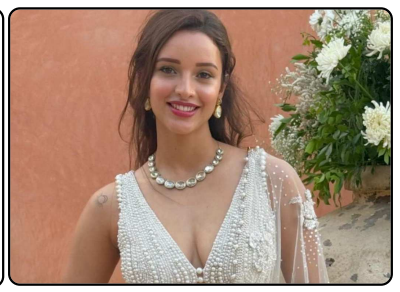

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 321
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

बिना कारण कलह कर बैठना मूर्ख का लक्षण हैं। इसलिए बुद्धिमत्ता इसी में है कि अपनी हानि सह ले लेकिन विवाद न करें। – हितोपदेश

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

आर.एन.आई.- 59626/94

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

- पहाड़ और मैदान के बीच खिंची विभाजन की लकीर -

मूल निवास व भू-कानून पर उलझी सरकार

विशेष संवाददाता

देहरादून। मूल निवास व भू-कानून के मुद्दों को लेकर सूबे की भाजपा सरकार इस कदर उलझ गई है कि उसे इनका कोई समुचित समाधान नजर नहीं आ रहा है। विपक्षी राजनीतिक दलों को ऐन लोकसभा चुनाव से पूर्व गरमाये इस मुद्दे ने एक बड़ा चुनावी हथियार थमा दिया है जो भाजपा की धामी सरकार की तमाम उन उपलब्धियों पर भारी पड़ते दिखे जिनके दम पर वह फिर पांचो लोकसभा सीटे जीतने का दावा कर रही थी। खास बात यह है कि मूल निवास और भू-कानून के इन मुद्दों ने प्रदेश की आम अवाम को भी दो पालों में खड़ा कर दिया है। पहाड़ और मैदान के बीच का यह विभाजन लोकसभा चुनावों में क्या गुल खिलाएगा यह भले ही चुनावी नतीजे के बाद पता चले लेकिन चुनाव पर इसका असर अत्यंत ही गंभीर पड़ेगा इससे इनकार नहीं किया जा सकता है।

राज्य को एक सशक्त भू-कानून

और मूल निवास कानून की सख्त जरूरत है। इस बात से भले ही पक्ष और विपक्ष दोनों ही सहमत दिख रहे हो लेकिन इन दोनों ही मुद्दों पर राज्य में जिस तरह एक जनांदोलन खड़ा होता दिख रहा है उसने

❑लोकसभा चुनाव पर गंभीर असर पड़ने के आसार
❑सरकार की उपलब्धियों पर भारी भू कानून व मूल निवास मुद्दा

विपक्ष को एक बड़ा चुनावी मुद्दा थमा दिया है वहीं सरकार के सामने आगे कुआं पीछे खाई वाली स्थिति पैदा कर दी है। कांग्रेस और यूकेडी सहित तमाम अन्य क्षेत्रीय दल इस जनांदोलन के समर्थन में मैदान में कूद पड़े है। राज्य की 1 इंच भी जमीन कोई दूसरे राज्य का व्यक्ति न खरीद पाए और 1950 से पहले उत्तराखंड में रहने वाले ही राज्य के मूल निवासी माने जाएं जैसी मांगों को लेकर छिड़े इस आंदोलन को सूबे की जनता का 100 फीसदी समर्थन मिलना सरकार के सामने एक बड़ी चुनौती बनकर खड़ा हो गया है। भले ही यह मांगे कितनी भी तर्कसंगत हो या ◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

जीजा ने ही की थी साले की हत्या, दो साथियों सहित गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। युवक की हत्या कर खुलासा करते हुए पुलिस ने मृतक के जीजा सहित तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके कब्जे से आला-ए-कत्ल व हत्या में प्रयुक्त कार भी बरामद की गयी है। हत्या की यह वारदात प्रापर्टी कब्जाने को लेकर अंजाम दी गयी थी।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेन्द्र डोभाल ने बताया कि बीती 30 दिसम्बर को बुग्गावाला क्षेत्रांतर्गत तेलपुरा नदी के किनारे रेत में एक अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद होने पर पर क्षेत्र में सनसनी मच गई थी। पुलिस ने शव का पंचायतनामा कर पहचान करने के लिए 72 घण्टे रुड़की की मोर्चरी में रखवा दिया गया।

एसएसपी हरिद्वार प्रमेन्द्र डोबाल ने बताया कि बीती दो जनवरी को मकसूद निवासी सिरचन्दी भगवानपुर ने शव को अपना पुत्र मुकीम बताते हुए शिनाख्त की और पोस्टमार्टम के बाद शव का अन्तिम संस्कार किया गया। जबकि पुलिस ने मृतक की माता की तहरीर पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ थाना बुग्गावाला में हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी। जांच में जुटी पुलिस टीम द्वारा शिकायत दर्ज होने के करीब 48 घंटे के भीतर कड़ी मशक्कत के बाद शेरपुर अड्डा बिहारीगढ जिला सहारनपुर से हत्या के तीन आरोपियो को आला-ए-कत्ल व घटना में प्रयुक्त स्वीफ्ट सहित गिरफ्तार कर लिया गया।

एसएसपी ने बताया कि गिरफ्तार हत्यारोपियों के नाम अमजद पुत्र इखलाक निवासी शेरपुर खानाजादपुर थाना बिहारीगढ़ ◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

पूर्व विधायक के घर से मिला 5 करोड़ कैश, विदेशी हथियार व 5 किलो सोना

नई दिल्ली। हरियाणा से बड़ी खबर आ रही है। इनेलो नेता दिलबाग सिंह के घर से खजाना मिला है। ईडी की रेड में करीब 5 किलो सोना, शराब की 100 बोतलें, 5 करोड़ कैश, मेड इन जर्मनी हथियार और उनके 300 जिंदा कारतूस मिले हैं, जिन्हें जब्त कर लिया गया है। कार्रवाई कोर्ट के आदेशों पर अवैध खनन मामले में की गई है। हालांकि मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की रेड कल सुबह से ही चल रही है, जिस वजह से प्रदेशभर के खनन कारोबारियों

में हड़कंप मचा हुआ था, लेकिन बड़ी कामयाबी यमुनानगर के पूर्व विधायक और इनेलो नेता दिलबाग सिंह के ठिकानों पर रेड में मिली। मिली जानकारी के अनुसार, गुरुवार सुबह चंडीगढ़ से ईडी की टीमें अवैध खनन मामले में एक्शन मोड में आते हुए हरियाणा पहुंची और खनन कारोबारियों के यहां छापामारी की। सबसे पहले यमुनानगर में इनेलो नेता और पूर्व विधायक दिलबाग सिंह के घर छापा मारा गया। इस दौरान मिले कैश और हथियारों को देखकर टीमें चौंक गई। रातभर कैश गिनने का काम चलता रहा। आज सुबह अधिकारियों ने मीडिया को कार्रवाई के बारे में विस्तार से बताया।

सोमालिया के पास हाइजैक हुआ जहाज, शिप पर हैं 15 भारतीय क्रू मेंबर

❑इंडियन नेवी ने अपने आईएनएस चेन्नई वारशिप को किया रवाना

नई दिल्ली। सोमालिया के पास एक जहाज को हाइजैक कर लिया गया है, जिसमें 15 भारतीय क्रू मेंबर सवार हैं। एमवी लीला नॉरफॉक नाम के इस जहाज को सोमालिया की समुद्री सीमा के पास हाइजैक किया गया है। हाइजैकिंग की जानकारी मिलने के बाद भारतीय नौसेना एक्टिव हो गई है। नौसेना ने अपना एक युद्धपोत आईएनएस चेन्नई किडनैप किए गए जहाज की तरफ रवाना कर दिया है। इसके किडनैप होने के बारे में गुरुवार शाम को जानकारी मिली।

सोमालिया के तट के पास अगवा किए गए इस जहाज पर लाइबेरिया का झंडा लगा है। भारतीय नौसेना के विमान जहाज पर लगातार नजर बनाए हुए हैं।

क्रू मेंबर के साथ कम्युनिकेशन स्थापित कर लिया गया है। सभी क्रू मेंबर जहाज के अंदर सुरक्षित हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय नौसेना अपहृत जहाज एमवी लीला नॉरफॉक जहाज पर कड़ी निगरानी रख रही थी, जिसके बारे में कल शाम जानकारी मिली थी। नौसेना के अनुसार, विमान ने शुक्रवार सुबह जहाज के ऊपर से उड़ान भरी, संपर्क स्थापित किया और चालक दल की सुरक्षा का पता लगाया। इसमें कहा गया है कि जहां नौसेना का विमान जहाज की गतिविधि पर नजर रखना जारी रखता है, वहीं आईएनएस चेन्नई सहायता प्रदान करने के लिए अपहृत जहाज की ओर बढ़ रहा है। नौसेना ने शुक्रवार को कहा है, कि उसने अपने समुद्री गश्ती विमान (एमपीए) पी8आई और आईएनएस चेन्नई सहित अपने मिशन-तैनात प्लेटफार्मों को शामिल करके, अरब सागर में लाइबेरिया के ध्वज वाले जहाज को अपहरण से मुक्त करवाने के लिए रवाना कर दिया है। नौसेना ने कहा, घटना के बाद फौरन प्रतिक्रिया देते हुए भारतीय नौसेना ने एक एमपीए लॉन्च किया और जहाज की सहायता के लिए समुद्री सुरक्षा संचालन के लिए तैनात आईएनएस चेन्नई को डायवर्ट कर दिया है।

दून वैली मेल

संपादकीय

धामी की परीक्षा का समय

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भले ही अब तक के अपने कार्यकाल में पार्टी के शीर्ष नेताओं का आशीर्वाद लेते रहे हो और समय-समय पर प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री शाह तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा भी उनकी पीठ थपथपाते रहे हो लेकिन वह अपनी पार्टी के सियासी मिजाज को भी बखूबी जानते हैं। उन्होंने पूर्ववर्ती सरकार में चंद ही महीनों में तीन-तीन मुख्यमंत्रियों को बदले जाते देखा है और विधानसभा चुनाव में हार जाने के बाद भी स्वयं को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेते हुए देखा है। हाई कमान की नजर में जो उतर गया या हाई कमान ने जो एक बार सोच लिया उसके क्रियान्वयन में फिर कोई देरी नहीं होती है। भले ही मुख्यमंत्री धामी पार्टी की गाइडलाइन पर चलते हुए तमाम कामों को आगे बढ़ा रहे हो लेकिन अब उनके सामने आगामी लोकसभा चुनाव परिणाम की चुनौती सबसे बड़ी और गंभीर चुनौती है। वह और उनकी सरकार तथा संगठन लंबे समय से इसकी तैयारियों में जुटा हुआ है। लोकसभा चुनाव के लिए प्रदेश सरकार ने कई मुद्दे तैयार कर लिए थे जिसमें यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू किए जाने सहित बहुत कुछ था। लेकिन लोकसभा चुनाव पूर्व मूल निवास और भू कानून जैसे मुद्दों ने ऐसी रंगत पकड़ी कि अन्य सभी उपलब्धियों पर यह मुद्दे भारी पड़ते दिख रहे हैं। बीते कल भाजपा के सभी संगठन पदाधिकारियों की संयुक्त बैठक में मुख्यमंत्री धामी ने जिस तरह से पार्टी कार्यकर्ताओं से अपील की है कि वह लोगों को यह विश्वास दिलाए कि उनकी सरकार ही राज्य में मूल निवास और सख्त भू कानून लाएगी तथा यूसीसी लागू करेगी, विपक्ष भ्रम फैलाने का काम कर रहा है। उनकी इस अपील में उनकी चिंता और बेचैनी को साफ देखा और समझा जा सकता है। वह अच्छी तरह से जानते हैं कि अब चुनाव से पूर्व वह भले ही यूसीसी कानून तो ला सकते हैं लेकिन मूल निवास और भू कानून पर कोई ऐसा फैसला नहीं ले पाने की स्थिति में है जैसा कि इन मुद्दों को लेकर आंदोलन करने वाले लोग मांग कर रहे हैं। इन दोनों ही मुद्दों पर वह बीते समय में कुछ फैसले लेकर यह समझाने की कोशिश करते ही दिखे हैं कि इस विषय को लेकर वह और उनकी सरकार पूरी तरह गंभीर है। लेकिन मूल निवास और भू कानून पर अब लिए गए इन फैसलों को राज्य के लोग टालने के प्रयास के तौर पर देख रहे हैं। उनका साफ कहना है कि हमें समिति गठन जैसे अस्थाई प्रयास नहीं चाहिए और कोई आश्वासन नहीं चाहिए। सरकार यह बताएं कि दोनों ही मुद्दों पर वह क्या कर रही है। दून में जब इन मुद्दों पर स्वाभिमान महारैली निकाली जा रही थी तब भाजपा को इस बात का अनुमान तक नहीं था कि इसके पीछे पूरा राज्य उमड़ पड़ेगा। भाजपा की दूसरी बड़ी गलती यह रही है कि उसने उसी दिन इस महारैली को बेअसर साबित करने के लिए 'मोदी है न' रैली का आयोजन करने का फैसला लिया। भाजपा की इस रैली ने आग में घी डालने का काम किया और अब प्रदेश के लोग भू कानून और मूल निवास के मुद्दे पर मुट्ठी ताने एकजुट होकर खड़े दिखाई दे रहे है। कुमाऊँ मंडल में एक स्वाभिमान महारैली और कल दिल्ली में प्रवासी उत्तराखंडियों की हुंकार इसका संदेश दे रही है। मुख्यमंत्री धामी और प्रदेश भाजपा अब इसे लेकर अत्यंत ही आशंकित दिखाई दे रहे हैं। पिछले दो लोकसभा चुनावों में भाजपा ने राज्य में सभी पांच सीटों पर जीत दर्ज कर इतिहास रचा था अब तीसरी बार सभी पांचों सीटों पर जीत की जिम्मेदारी महेंद्र भट्ट और पुष्कर सिंह धामी के कंधों पर है। भले ही भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व अबकी बार 400 पार के साथ चुनाव में जा रहा हो लेकिन जीत की हैट्रिक के साथ जीत को रिकॉर्ड जीत बनाने की भी चुनौती आसान काम नहीं है। प्रदेश की भाजपा सरकार की धरातल पर अपनी कोई बड़ी उपलब्धि उसके नाम नहीं है भ्रष्टाचार और कानून व्यवस्था के मुद्दे भी उसका पीछा नहीं छोड़ रहे हैं। ऐसे में अकेले यूसीसी जिसके बारे में अभी यह भी पता नहीं है कि उसे कितना समर्थन मिलेगा। सीएम धामी की बेचैनी भी स्वाभाविक है वह इस परीक्षा में पास व फेल होते हैं उनका राजनीतिक भविष्य भी इसी पर टिका हुआ है।

रामलला के स्थापना के उपलक्ष्य में 22 जनवरी को मन्नूगंज में भण्डारे का आयोजन

संवाददाता

देहरादून। रामलला के विग्रह स्थापना के उपलक्ष्य में मन्नूगंज डांडीपुर मौहल्ले में भण्डारे का आयोजन किया जायेगा।

आज यहां क्षेत्र के ही पवन कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि श्री राम जन्मभूमि अयोध्या जी में भव्य श्री राम मंदिर का उद्घाटन व रामलला के विग्रह स्थापना के उपलक्ष्य में मन्नूगंज डांडीपुर मौहल्ले के निवासियों के द्वारा हकीकत राय पार्क में भण्डारे का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें भारी संख्या में लोगों के शामिल होने की उम्मीद है।

वृष्णस्ते वृष्ण्यं शवो वृषा वनं वृषा मद:।
सत्यं वृषन्वृषेदसि।।
(ऋग्वेद ९-६४-२)

हे परमात्मा ! आप दिव्य प्रेम के स्वामी हैं। आप उदार हैं और आप उदारता की वर्षा करते हैं। आप आनंद के वर्षक हैं। आप जैसा उदार और कोई दूसरा नहीं है।

ठंड में इनसे मिलती है शरीर को गर्मी

ठंड के मौसम में सर्दी के असर से बचने के लिए लोग गर्म कपड़ों का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन शरीर को चाहे कितने ही गर्म कपड़ों से ढक लिया जाए ठंड से लड़ने के लिए बॉडी में अंदरूनी गर्मी होनी चाहिए। शरीर में यदि अंदर से खुद को मौसम के हिसाब से ढालने की क्षमता हो तो ठंड कम लगेगी और कई बीमारियां भी नहीं होंगी। यही कारण है कि ठंड में खानपान पर विशेष रूप से ध्यान देने को आयुर्वेद में बहुत महत्व दिया गया है। सर्दियों में यदि खानपान पर विशेष ध्यान दिया जाए तो शरीर संतुलित रहता है और सर्दी कम लगती है।

1. बाजरा: कुछ अनाज शरीर को सबसे ज्यादा गर्मी देते है। बाजरा एक ऐसा ही अनाज है। सर्दी के दिनों में बाजरे की रोटी बनाकर खाएं। छोटे बच्चों को बाजरा की रोटी जरूर खाना चाहिए। इसमें कई स्वास्थ्यवर्धक गुण भी होते है। दूसरे अनाजों की अपेक्षा बाजरा में सबसे ज्यादा प्रोटीन की मात्रा होती है। इसमें वह सभी गुण होते हैं, जिस से स्वास्थ्य ठीक रहता है। ग्रामीण इलाकों में बाजरा से बनी रोटी व टिक्की को सबसे ज्यादा जाड़ो में पसंद किया जाता है। बाजरा में शरीर के लिए आवश्यक तत्व जैसे मैग्नीशियम, कैल्शियम, मैग्नीज, ट्रिप्टोफेन, फाइबर, विटामिन-बी, एंटीऑक्सीडेंट आदि भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं।

2. बादाम: बादाम कई गुणों से भरपूर होते हैं। इसका नियमित सेवन अनेक बीमारियों से बचाव में मददगार है। अक्सर माना जाता है कि बादाम खाने से याददाश्त बढ़ती है, लेकिन यह ड्राय फ्रूट अन्य कई रोगों से हमारी रक्षा भी करता है। इसके सेवन से कब्ज की समस्या दूर हो जाती है, जो सर्दियों में सबसे बड़ी दिक्कत होती है। बादाम में डायबिटीज को नियंत्रित करने का गुण होता है। इसमें विटामिन-ई भरपूर मात्रा में होता है।

3. अदरक : क्या आप जानते हैं कि रोजाना के खाने में अदरक शामिल कर बहुत सी छोटी-बड़ी बीमारियों से बचा जा सकता है। सर्दियों में इसका किसी भी तरह से सेवन करने पर बहुत लाभ मिलता है। इससे शरीर को गर्मी मिलती है और डाइजेशन भी सही रहता है।

4. शहद: शरीर को स्वस्थ, निरोग और उर्जावान बनाए रखने के लिए शहद को आयुर्वेद में अमृत भी कहा गया है। यूं तो सभी मौसमों में शहद का सेवन लाभकारी है, लेकिन सर्दियों में तो शहद का उपयोग विशेष लाभकारी होता है। इन दिनों में अपने भोजन में शहद को जरूर शामिल करें। इससे पाचन क्रिया में सुधार होगा और इम्यून सिस्टम पर भी असर पड़ेगा।

5. रसीले फल न खाएं: सर्दियों के दिनों में रसीले फलों का सेवन न करें। संतरा, रसभरी या मौसमी आपके शरीर को ठंडक देते है। जिससे आपको सर्दी या जुकाम जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

6. मूंगफली: 100 ग्राम मूंगफली के भीतर ये तत्व मौजूद होते हैं : प्रोटीन- 25.3 ग्राम, नमी- 3 ग्राम, फैट्स- 40. 1 ग्राम, मिनरल्स- 2.4 ग्राम, फाइबर- 3.1 ग्राम, कार्बोहाइड्रेट- 26.1 ग्राम, ऊर्जा- 567 कैलोरी, कैल्शियम - 90 मिलीग्राम, फॉस्फोरस 350 मिलीग्राम, आयरन-2.5 मिलीग्राम, कैरोटीन- 37 मिलीग्राम, थाइमिन- 0.90 मिलीग्राम, फोलिक एसिड- 20मिलीग्राम। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन, मिनिरल्स आदि तत्व इसे बेहद फायदेमंद बनाते हैं। यकीनन इसके गुणों को जानने के बाद आप कम से कम इस सर्दियों में मूंगफली से टाइमपास करने का टाइम तो निकाल ही लेंगे।

7. सब्जियां: अपनी खुराक में हरी सब्जियों का सेवन करें। सब्जियां, शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाती है और गर्मी प्रदान करती है। सर्दियों के दिनों में मेथी, गाजर, चुकंदर, पालक, लहसुन बथुआ आदि का सेवन करें। इनसे इम्यून सिस्टम मजबूत होता है।

8. तिल

सर्दियों के मौसम में तिल खाने से शरीर को ऊर्जा मिलती है। तिल के तेल की मालिश करने से ठंड से बचाव होता है। तिल और मिश्री का काढ़ा बनाकर खांसी में पीने से जमा हुआ कफ निकल जाता है। तिल में कई तरह के पोषक तत्व पाए जाते हैं जैसे, प्रोटीन, कैल्शियम, बी-कॉम्प्लेक्स और कार्बोहाइट्रेड आदि। प्राचीन समय से खूबसूरती बनाए रखने के लिए तिल का उपयोग किया जाता रहा है।

साभार: सोशल मीडिया

गृह जनपद पहुंचने पर चण्डी प्रसाद भट्ट का हुआ भव्य स्वागत

संवाददाता

रूद्रप्रयाग। सीमांत क्षेत्र अनुश्रवण परिषद उपाध्यक्ष का दायित्व मिलने पर चंडी प्रसाद भट्ट का गृह जनपद पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया।

आज यहां उपाध्यक्ष सीमांत क्षेत्र अनुश्रवण परिषद (राज्य मंत्री) चंडी प्रसाद भट्ट का जनपद में पहुँचने पर भाजपा कार्यकर्ताओं सहित स्थानीय लोगों ने भव्य स्वागत किया। इस दौरान भट्ट ने विभिन्न स्थानों पर जनता से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को भी जाना। कार्यक्रम के तहत राज्य मंत्री दायित्व मिलने के बाद अपने गृह जनपद पहुँचे उपाध्यक्ष सीमांत क्षेत्र अनुश्रवण परिषद चण्डी प्रसाद भट्ट का जनपद मे जोरदार स्वागत किया गया।

उन्होने रुद्रप्रयाग मुख्यालय सहित तिलवाड़ा, अगस्त्यमुनि, सौडी, चंद्रापुरी, भीरी , उखीमठ , आदि स्थानों में जनसंपर्क करते हुए पार्टी के पदाधिकारियो एवं कार्यकर्ताओं से भेंट की। इस दौरान राज्य

मंत्री भट्ट के भाजपा जिला कार्यालय में पहुंचने पर भाजपा जिला अध्यक्ष महावीर सिंह पंवार जिला प्रभारी ऋषि कंडवाल, पूर्व जिला अध्यक्ष विजय कप्रवाण, दिनेश उनियाल, जिला महामंत्री भारत भूषण भट्ट, विनोद देवशाली, मंडल अध्यक्ष पार्वती गोस्वामी, घनश्याम पुरोहित, सुरेन्द्र बिष्ट ,शशि नेगी आदि पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ राज्य मंत्री का ढोल नगाड़ों के साथ फूल मालाओं एव स्मृति चिन्ह भेंट कर भव्य स्वागत किया।

इस अवसर पर राज्य मंत्री चंडी प्रसाद भट्ट ने केंद्र एवं राज्य सरकार की जनपयोगी योजनाओं की जानकारी के साथ साथ सीमावर्ती क्षेत्रों में केंद्र एवं राज्य द्वारा किए गए विकास की जानकारियां भी दी। उन्होंने कहा कि आज केन्द्र व राज्य सरकार की दूर दर्शिता से राज्य के सीमावर्ती क्षेत्रों मे विकास की नई उम्मीदें जगी है। कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार वाइब्रेंट विलेज कार्य योजना के तहत सीमावर्ती गावो में विकास कार्य कर रही है। उन्होंने कहा वाइब्रेट विलेज कार्य योजनाएं जिला प्रशासन द्वारा ग्राम पंचायत के सहयोग से तैयार की गई है। इससे इस क्षेत्र की उत्पादन जड़ी बूटियां, सेब, राजमा सहित फसलों के साथ-साथ विकास की संभावनाओं को पंख लगेंगे।

इस दौरान उन्होंने दायित्व की जिम्मेदारी मिलने पर केंद्र एवं राज्य सरकार के साथ साथ केंद्रीय तथा प्रदेश संगठन एवं कार्यकर्ताओ का आभार प्रकट करते हुऐ कहा कि मैं बड़ी निष्ठा, ईमानदारी एवं जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्व का निर्वहन करते हुए जन सेवा करूंगा।

पीयूष निगम ने पाया काव्य पाठ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान

संवाददाता

देहरादून। पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय भारतीय सैन्य अकादमी के स्नातकोत्तर शिक्षक पीयूष निगम ने काव्य पाठ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

देहरादून की छमाही बैठक में पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय भारतीय सैन्य अकादमी, देहरादून के प्रतिभाशाली स्नातकोत्तर शिक्षक,(जीव विज्ञान) को 'काव्य पाठ' प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर हितेश कुमार एस. मकवाणा, भारत के महासर्वेक्षक एवं अध्यक्ष नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, महासर्वेक्षक का कार्यालय तथा मुख्य अतिथि राजकुमार अरोड़ा, संयोजक रक्षा लेखा प्रधान नियंत्रक (वायु सेना) द्वारा पुरुस्कृत किया गया। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (कार्या ०1) देहरादून की ओर से राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार हेतु सदस्य कार्यालयों के बीच समय-समय पर विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। इसी के अंतर्गत जून 2023 को आयोजित 'काव्य पाठ' प्रतियोगिता में प्राचार्य माम चन्द के प्रोत्साहन से बहुमुखी प्रतिभा के धनी शिक्षक पीयूष निगम ने प्रतिभाग किया तथा 25 कार्यालयों एवं विभागों के प्रतिभागियों के मध्य प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। उनकी इस उपलब्धि पर प्राचार्य माम चन्द, उप प्राचार्य रमेश चन्द, मुख्य अध्यापक सरोज कुमार वर्मा एवं समस्त शिक्षकों ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए बधाई दी।

कोरियर भेजने के नाम पर ठगे एक लाख रुपये की ठगी

देहरादून (सं)। कोरियर भेजने के नाम पर एक लाख की ठगी करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार जाखन निवासी विजय कुमार जुनेजा ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका कुरियर अमृतसर से बलू डर्ट द्वारा भेजा गया। 4 दिसंबर 2023 को सामान वहॉ से भेजा गया और 9 दिसम्बर को उसको सूचना (एसएमएस) मिली की उसका पता गलत है। फिर उसने मेल पर शिकायत की तो फिर उसे भेजा गया और 16 दिसम्बर को फिर सूचना मिली की पता गलत है उसने फिर शिकायत कर दी। फिर रविवार 17 दिसंबर 2023 को सुबह उसको एक कॉल आती है कि वह बलू डर्ट कोरियर से ओमप्रकाश नोयडा आफिस से बोल रहा है और उसने उसको कस्टमर स्पोर्ट एप फाईल भेजी और उसने कहा कि वह इसे भर दो और 5 रुपया ट्रांसफर कर दिजिये तो कल यानि 18 दिसंबर सोमवार 2 बजे से पहले कोरियर मिल जायेगा , तो उसने उस एप फाईल को खोलकर भर दिया। अगले दिन उसको साढे बारह बजे तक कोरियर मिल जाता है। समझ ने की बात यह है कि अब उसका पता कैसे ठीक हो गया और समय पर उसको सामान कैसे मिल गया। उसके बाद 20 दिसम्बर बुधवार को दिन में पौने चार बजे पर एक एसएमएस उसको कैनरा बैंक से आता है कि उसके अकाउन्ट से 99999 रूपये निकाल लिये गये है। उस वक्त फिर उसने बैक जाकर अपना अकाउन्ट ब्लाक करवाया और साइबर थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराई।

ई-स्कूटर खरीदने के नाम पर गवांये तीन लाख रुपये

देहरादून (सं)। ई-स्कूटर खरीदने के नाम पर तीन लाख दस हजार रूपये गंवाने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार साईलोक कालोनी जीएमएस रोड निवासी सन्दीप कश्यप ने बसंत विहार थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके द्वारा एक ई-स्कूटर खरीदने हेतु गुगल पर सर्च किया जा रहा था, जिसके बाद उसकों सिम्पल ऐनर्जी प्राईवेट लिमिटेड की तरफ से सिम्पल ऐनर्जी प्राईवेट लिमिटेड की ई-स्कूटर खरदने हेतु कॉल किया गया है, जिसमें उनके द्वारा अवगत कराया गया, कि इस स्कूटर की लागत 1,45,000 है परन्तु यदि आपके द्वारा ऑन लाईन बुकिंग की जाती है, तो 40 हजार रूपये का डिस्काउट आपको दिया जा सकता है। तदोपरान्त इस वाट्स एप द्वारा दिनांक 12 दिसम्बर 2023 को एक लिंक उपलब्ध कराया गया। मोबाईल व उसके वाटस एप पर निम्नलिखिल धनराशि की मांग की गयी जो कि निम्नानुसार उसके द्वारा विभिन्न तिथियों पर भुक्तान कर दी गयी। 310959.00 के अतिरिक्त कम्पनी के द्वारा अभी भी 45,500.00 रूपये की मांग की जा रही तथा यह बताया जा रहा है कि उक्त समस्त धनराशि रिफंटेबल है जो कि जल्दी ही आपके खाते मे वापस कर दी जायेगी। आज की तिथि तक भी उसके अकाउण्ट मे कोई धनराशि वापस नही की गयी है तथा स्कूटर की डिलीवरी के सम्बन्ध मे उसके द्वारा सिम्पल ऐनर्जी प्राईवेट लिमिटेड की ओरिजनल वेबसाइट पर दिये गये नम्बर पर वार्ता की गयी, जिसमें उनके द्वारा बताया गया कि उक्त से सम्बन्धित कोई भी बुकिंग की कार्यवाही उनकी कम्पनी द्वारा नही की गयी। इन लोगो द्वारा सिम्पल ऐनर्जी प्राईवेट लिमिटेड के कर्मचारी बन कर उससे कुल 3,10,959.00 रूपये की धोखाधड़ी की गयी।

बच्चों को हार का सामना करना भी सिखाइये

प्रतिस्पर्धा के इस दौर में बच्चों पर हमारी आकांक्षाओं का बोझ बढ़ता जा रहा है। इससे बच्चों में तनाव और मानसिक रोग भी बढ़ते जा रहे हैं। आम तौर पर हम चाहते हैं कि हमारे बच्चे बेहद सफल हों और आपाधापी में यह भूल जाते हैं कि उनकी भी कुछ क्षमताएं हैं। इस क्रम में हम बच्चे को हार का सामना करना सिखा ही नहीं पाते। वहीं बच्चे भी अपने को बेहतर मानते हुए हार का सामना नहीं कर पाते और ऐसे में जब उन्हें हार का सामना करना पड़ता है तो वह उसे स्वीकार नहीं कर पाते। पफिर चाहे वह पढ़ाई हो या कोई खेल।

वहीं इसकी जगह हमें बच्चों को यह समझाना चाहिये की हारने से ज्यादा जरूरी है, खेल में भाग लेना।

अगर हम पीछे रह जाते हैं तो इसका मतलब यह नहीं कि हम हिम्मत हारकर बैठ जाएं। इन हालातों में बच्चों को हार-जीत से परे होकर स्पर्धा में हिस्सा लेने के बारे में समझाना चाहिए, क्योंकि हम अपने बच्चों को विफल होते नहीं देखना चाहते और न ही उनके भविष्य के साथ किसी तरह का खिलवाड़ होते देखना चाहते हैं। बच्चों को यह बात समझ में आए, इसके लिए जरूरी है कि हम उनके साथ ढेर सारा समय बिताएं और उन्हें ही प्राथमिकता दें। उन्हें खूब सारा प्यार देकर और प्रोत्साहन भरे शब्दों का इस्तेमाल करके राहत दें। अपने बच्चों को हार से उबारने और उससे पार पाने के लिए हमें उन्हें कुछ खास बातें जरूर बतानी चाहिए।

हर समय नहीं मिलती जीत

उन्हें सबसे पहले यह समझाएं कि हर समय जीत जरूरी नहीं है। इसकी शुरुआत स्कूल में ही हो जाती है, जब वे खेलों में हिस्सा लेते हैं। उन्हें यह बताएं कि हर समय हर व्यक्ति जीत नहीं सकता साथ ही यह भी समझना जरूरी है कि वे जो कर रहे हैं, उसमें अपना बेहतर देने की कोशिश करें। जितने गर्व के साथ से वे जीत को सिर-माथे पर लेते हैं, उतने ही खुश होकर हार को भी स्वीकार करें।

अपनी हार स्वीकार करें

उन्हें अपनी हार स्वीकार करना सिखाएं जबकि आमतौर पर देखा गया है कि जब बच्चे किसी चीज में पिछड़ जाते हैं तो वे दूसरों को अपनी हार के लिए जिम्मेदार बताते हैं। इस दौरान यह याद रखना जरूरी है कि हार को स्वीकार करने से ही सफलता हासिल होती है। दूसरे को जिम्मेदार बताने से कुछ हासिल नहीं होता।

किसी से तुलना न करें

कई चीजें हमारे बस में नहीं होती। संभव है कि आपका बच्चा खेल में अच्छा हो और पढ़ाई में औसत। इस बात को आपको भी स्वीकार करना चाहिए और बच्चे को भी समझाइए। हां, यह जरूर है कि आधारभूत पढ़ाई सबके लिए जरूरी है। आपको यह सोचकर खुश होना चाहिए कि वह किसी क्षेत्र में तो चौंपियन है। उन्हें उस रास्ते पर चलने में मदद कीजिए, जहां उनकी सफलता छिपी है।

हार पर दें सांत्वना

उनसे बात करें कि हारने के बाद उन्हें कैसा महसूस हो रहा है। यह महत्वपूर्ण है कि आपका बच्चा अपने एहसास आपसे बांटे। इस तरह से आपको यह पता चलेगा कि उन्हें कितना दुख पहुंचा है और आप किस तरह से उन्हें सांत्वना दे सकती हैं और यह समझा सकती हैं कि कभी-कभी हारना भी बुरा नहीं है। अपना यह एहसास बांटने से उन्हें जीवन के अन्य क्षेत्रों के लिए भी तैयार होने में मदद मिलेगी।

असफलता से ही सफलता की राह

उन्हें समझाएं कि हार सफलता की सीढ़ी पर चढ़ने का रास्ता भी हो सकता है। यदि वे बैठकर यह सोचने में लग जाएंगे कि वे कैसे हार गए तो इसका कोई सकारात्मक परिणाम हाथ नहीं आएगा। इसकी बजाय यदि वे अगली बार के लिए तैयारी करेंगे तो सफलता जरुर मिलेगी ।

सबसे बड़ी बात, जब भी आपका बच्चा दुखी हो, उसे गले लगाएं। हमें गले लगाने की जरूरत हर उम्र में पड़ती है। तो आपका बच्चा चाहे पांच साल का हो या पंद्रह का, उसे गले जरूर लगाएं। याद रखें कि आप जितना देंगी, उतना ही आपको वापस मिलेगा। सोचकर देखिए, क्या आपको उस समय अच्छा नहीं लगेगा, जब आप दुखी हों और आपका बच्चे आगे बढ़कर आपको गले लगा ले।

जीत की राह तैयार करें

यह सुनकर थोड़ा अजीब लग रहा होगा, लेकिन सच तो यह है कि जीतने की भी कला होती है। जीतने की योजना भी बनाई जानी चाहिए और उसके बाद उसी के अनुसार काम करना चाहिए। बच्चे की जीतने की इस योजना में आप उसकी मदद कर सकती हैं। पढ़ाई के लिए दिनचर्या बनाने में उसकी मदद करें, पढ़ने में उसकी मदद करें। परीक्षा के समय जब वह देर रात तक जागता है तो उसे चाय या कॉफी बनाकर दें। कहने का तात्पर्य है कि किसी की जीत के लिए सिर्फ उसकी अपनी काबिलियत नहीं, दूसरों की मदद भी जरूरी है।

हरी पत्तेदार सलाद खाने से दिमाग होगा जवान

एक अध्ययन में सामने आया है जो लोग हरी पत्तेदार सब्जियों की सलाद अपनी रोज की खुराक में शामिल करते हैं वे दिमाग को 11 साल जवान रखते हैं। अमेरिका के रश विश्विद्यालय के शोधार्थियों ने पाया है कि जो लोग हर दिन हरी पत्तेदार सब्जियां खाते हैं उनकी याददाशत और सोचने की क्षमता में उन लोगों की तुलना में कम गिरावट होती है जो सब्जियां नहीं खाते हैं या कभी कभार खाते हैं। न्युरोलोजी जनरल में प्रकाशित हुए अध्ययन के मुताबिक, दोनों समूहों के बीच अंतर आयु में 11 वर्ष कम के बराबर था। खुराक में हरी पत्तेदार सलाद को शामिल करने से दिमाग 11 साल जवान रख सकते हैं। विश्विद्यालय से जुड़ी मार्था क्लेयर मॉरिस ने बताया कि अपने दिमाग की सेहत को बढ़ाने का सरल तरीका है कि आप अपनी खुराक में हरी पत्तेदार सब्जियों को शामिल करें। उन्होंने कहा कि ऐसे बुजुर्ग लोगों की संख्या में इजाफा हो रहा है जो डिमेंशिया के शिकार हो रहे हैं। ऐसे में इसे रोकना अहम है। उन्होंने बताया कि यह अध्ययन औसतन 81 वर्ष के 960 लोगों पर किया गया है। उन पर यह अध्ययन करीब साढ़े चार साल तक किया गया।

वाजपेयी, जेटली प्रेम काम नहीं आ रहा

नीतीश कुमार की यह खासियत है कि वे किसी समय राम मनोहर लोहिया, जेपी और कर्पूरी ठाकुर के चेले बन जाते हैं तो किसी समय दीनदयाल उपाध्याय, अटल बिहारी वाजपेयी के गुणगान करने लगते हैं। कुछ समय पहले वे पटना में दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर उनकी प्रतिमा पर फूल चढ़ाने गए। पिछले एक माह में वे अटल बिहारी वाजपेयी और अरुण जेटली को श्रद्धांजलि देने गए। एक केंद्रीय विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मौजूदगी में उन्होंने भाजपा नेताओं की खूब तारीफ की और वहां मौजूद नेताओं को दिखा कर कहा कि उनके साथ तो जीवन भर का संबंध है। लेकिन ऐसा लग रहा है कि उनका भाजपा प्रेम बहुत काम नहीं आ रहा है। भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व पिघल नहीं रहा है और इस वजह से नीतीश को अच्छी डील नहीं मिल रही है।

जानकार सूत्रों का कहना है कि भाजपा इस बार न तो बराबरी का समझौता करने को तैयार है और न उनको मुख्यमंत्री रखने को तैयार है। पिछली बार यानी 2017 में जब नीतीश वापस लौटे थे तब भाजपा ने अपनी जीती हुई लोकसभा की छह सीटें छोड़ कर नीतीश से समझौता किया था। दोनों पार्टियां 17-17 सीटों पर लड़ी थीं। और भाजपा ने उनको मुख्यमंत्री भी बनाए रखा था। इस बार कहा जा रहा है कि भाजपा ने उनसे कहा है कि वे मुख्यमंत्री पद छोड़ें, भाजपा का सीएम बनेगा और नीतीश अपना दो उप मुख्यमंत्री बना लें। इसके अलावा यह भी कहा जा रहा है कि भाजपा ने उनको 10 लोकसभा सीट का प्रस्ताव दिया है। इसमें ज्यादा से ज्यादा दो की बढ़ोतरी हो सकती है। भाजपा अकेले 20 सीट लडना चाहती है और लोक जनशक्ति पार्टी के दोनों धड़ों, हिंदुस्तान आवाम मोर्चा और राष्ट्रीय लोक जनता दल को गठबंधन में बनाए रखना चाहती है। वह मुकेश साहनी की विकासशील इंसान पार्टी को भी गठबंधन में लाने की बातचीत कर रही है। इसके अलावा भाजपा लोकसभा के साथ विधानसभा का चुनाव कराने को तैयार नहीं है। इस तरह वह नीतीश को कमजोर करने की सुनियोजित रणनीति पर काम कर रही है।(आरएनएस)

शर्मिला के सहारे आंध्र में कांग्रेस

आंध्र प्रदेश में राजनीतिक समीकरण बदल सकता है। तेलंगाना की जीत के बाद कांग्रेस पार्टी आंध्र प्रदेश में संभावना देख रही है। हालांकि राज्य के विभाजन के बाद से आंध्र में कांग्रेस के प्रति बहुत नाराजगी है और यही कारण है कि कांग्रेस दो फीसदी भी वोट नहीं ले पा रही है। इसके बावजूद कांग्रेस की उम्मीद बढ़ी है तो उसका कारण मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी की बहन वाईएस शर्मिला हैं। उन्होंने वाईएसआर तेलंगाना पार्टी का गठन किया था और पिछले चुनाव में कांग्रेस को समर्थन दिया। कहा जा रहा है कि कांग्रेस उनको राज्यसभा में भेजेगी या खम्मम सीट से लोकसभा का चुनाव लड़ाएगी। इसके अलावा उनको पार्टी का महासचिव बनाने की चर्चा भी हो रही है। कांग्रेस नेताओं को लग रहा है कि उनके जरिए चंद्रबाबू नायडू की पार्टी टीडीपी से तालमेल हो सकता है। गौरतलब है कि टीडीपी की बातचीत भाजपा से चल रही है और उसने पवन कल्याण की जन सेना पार्टी से तालमेल कर लिया है। ऐसे में कांग्रेस से कैसे बात बनेगी? कहा जा रहा है कि भाजपा जगन मोहन की पार्टी के साथ भी चैनल खोले हुए है और वह नहीं चाहती है कि राज्य की किसी पार्टी के साथ तालमेल करे। इसके बावजूद नायडू की पार्टी का कांग्रेस के साथ जाना थोड़ा मुश्किल लग रहा है। क्योंकि तब केंद्रीय और राज्य दोनों की एजेंसियों की कार्रवाई तेज हो जाएगी।(आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

क्या वजन कम करने के लिए आप भी दिन दिनभर रहते हैं भूखे, अगर हां तो हो जाएं सावधान!

ज्यादातर लोगों का यही मानना है कि भूखे रहने से उनका वजन कम होता है। इसलिए वजन घटाने के लिए वे दिन में काफी कम और एक बार ही खाना खाते हैं। इससे वजन कम भी होता है, इसलिए डाइटिंग में इस आदत का ट्रेंड भी बढ़ रहा है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इसके कई गंभीर नुकसान भी हो सकते हैं। खाना स्किप करने या भूखे पेट रहने से वजन तो कम हो जाता है लेकिन कई तरह की गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। आइए जानते हैं क्या कहते हैं एक्सपर्ट्स।।।

क्या वजन कम करना सेहत के लिए हानिकारक

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक, वेट लॉस के लिए कम खाना खाना कभी भी अच्छा विकल्प नहीं रहा है। इस तरह से वजन घटाना सेहत के लिए खतरनाक और हानिकारक हो सकता है। ऐसा भी जरूरी नहीं कि हर व्यक्ति कम खाकर ही अपना वजन कम करता है। 10 में से 8 केस में ऐसा हो भी सकता है लेकिन इस तरह के तरीकों को आजमाना शरीर के लिए बिल्कुल भी ठीक नहीं है।

एक्सपर्ट का क्या कहना है

एक्सपर्ट्स के मुताबिक, वजन कम होना इस बात पर निर्भर करता है कि दिन में आप कितनी कैलोरी ले रहे और कितनी बर्न कर रहे हैं। कैलोरी इनटेक ज्यादा होने और सही तरह बर्न न होने पर वजन बढ़ता है। कम खाकर वजन कम करने का तरीका बिल्कुल भी सही नहीं है। ऐसा इसलिए क्योंकि इस तरीके से शरीर में पोषण तत्वों की कमी हो सकती है। कम खाना खाने से शरीर कमजोर हो सकता है और कई बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। ऐसा करने से शरीर का इम्यून सिस्टम भी कमजोर होता है। डाइटिंग की वजह से कई विटामिन और प्रोटीन की कमी भी हो जाती है। ऐसे में कुपोषण का डर भी बना रहता है। ऐसे कई मामले आ भी चुके हैं। कई बार वजन कम करने की सनक परेशानी में भी डाल सकती है। इसलिए इस तरह के तरीकों से वजन कम करने की नहीं सोचनी चाहिए।

वजन कम करने का अच्छा तरीका क्या है

एक्सपर्ट्स के मुताबिक, अगर आप अपना वजन घटाना ही चाहते हैं तो इसका सबसे अच्छा तरीका एक्सरसाइज करना होता है। ज्यादा खाना खाते हैं तो भी एक्सरसाइज करते रहें। इससे फैट और कैलोरी बर्न होती रहेगी और वजन नहीं बढ़ेगा। हर किसी को रोजाना कम से कम 15 मिनट तक एक्सरसाइज जरूर करना चाहिए। (आरएनएस)

उपन्यास दिल्ली दरबार पर आधारित होगी आनंद एल राय की नखरेवाली की कहानी

हिंदी सिनेमा के जाने-माने निर्देशक आनंद एल राय ने इंडस्ट्री को रांझणा और तनु वेड्स मनु जैसी हिट फिल्में दी हैं।मौजूदा वक्त में वह अपनी आगामी फिल्म नखरेवाली को लेकर चर्चा हैं।यह फिल्म इसलिए ज्यादा खास है, क्योंकि इसके जरिए आनंद दो नए चेहरों (अंश दुग्गल और प्रगति श्रीवास्तव) को बॉलीवुड के दर्शन कराएंगे।ताजा खबर यह है कि नखरेवाली की कहानी सत्य व्यास की सबसे ज्यादा बिकने वाले उपन्यास दिल्ली दरबार पर आधारित होगी।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, नखरेवाली एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म है, जो हास्य और सामाजिक टिप्पणियों से भरपूर होगी।फिल्म का निर्देशन राहुल शांकल्या कर रहे हैं तो वहीं इसकी कहानी दिव्य निधि शर्मा लिख रही हैं।लेखिका ने सत्य व्यास की किताब दिल्ली दरबार को बड़े पर्दे के लिए खूबसूरती से रूपांतरित किया है।नखरेवाली में अंश ने चुलबुले लडके का किरदार निभाया है, जबकि प्रगति एक ठेठ पूर्वी दिल्ली की लडकी के रूप में दिखाई देंगी।

नखरेवाली के अलावा आनंद अपनी आगली अगली निर्देशित फिल्म तेरे इश्क में के प्री-प्रोडक्शन में पूरी तरह से डूबे हुए हैं।इसमें धनुष मुख्य भूमिका में हैं। रांझणा और अतरंगी रे के बाद तेरे इश्क में धनुष और आनंद के बीच तीसरा सहयोग है।यह फिल्म अगले साल सिनेमाघरों में दस्तक देगी।इसके अलावा आनंद फिर आई हसीन दिलरुबा को लेकर भी चर्चा में हैं। इसमें विक्रांत मैसी, सनी कौशल और तापसी पन्नू मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे।

शब्द सामर्थ्य -053

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. ठुड्डी पर के बाल, ठुड्डी, ठोढ़ी 3. विशेष और सामान्य (आदमी), आम और खास लोग (उ.) 5. इच्छा, हसरत, अभिलाषा 6. शारीरिक कोमलता, सुकुमारता (उ.) 7. सविनय, विनती पूर्वक 10. बिलख-बिलख कर रोना 11. कहानी, उपन्यास 12. कुशल, दक्ष, विशेषज्ञ 13. भार, दबाव 14. शुभ-अशुभ की पूर्व सूचना, शुभ अवसर पर होने वाला मंगल कार्य संबंधी गीत 15. एहसान, भलाई, हित 17. सूत काटने, लपेटने में काम आने वाली चर्खे से लगी सलाई 19. एक हिन्दी महीना, श्रावण 20. सप्ताह का एक दिन, बृहस्पतिवार।

ऊपर से नीचे

1. जंगल में लगी आग, दावाग्नि 2. मूल्य, दाम 4. स्वतंत्र, स्वाधीन 5. संकट, कष्ट, दर्द 7. लकड़ी, कन्या, कानों में पहनने का छल्ला, श्रेष्ठ 8. बेइज्जती, अनादार 9. शोभा, सुंदरता, बसंत ऋतु 10. तबाह करने वाला,विनाशक 11. इस समय 13. असुर, राक्षस, दैत्य 14 ए. गुरुमंत्र, बहुत अच्छी युक्ति 15. पर्व, त्यौहार 16. शिकायत, उलाहना, ग्लानि 17. वृक्ष, पेड़ 18. मुंह से निकलने वाला थूक जैसा पदार्थ।

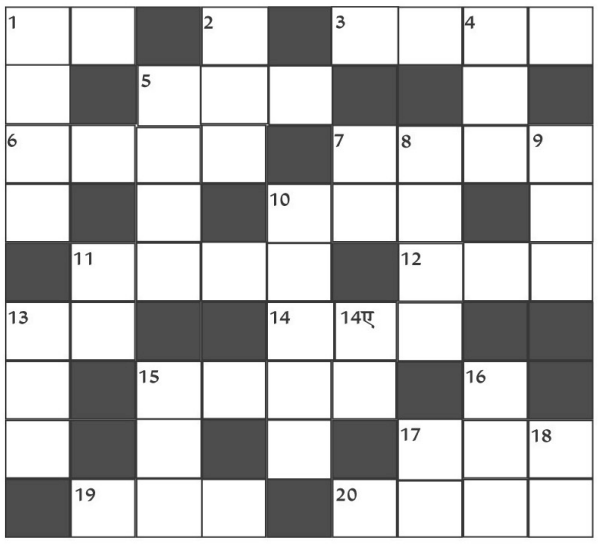

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 52 का हल

खा	म	खां			इं			
स	ह		ब	र	सा	त		प
	क	हा	नी		न	क	च	ढ़ा
त			स्ब			ली		ई
क	या	म	त		क	फ	न	
दी		र्दा		बा	बू		ह	वा
र	ह	ना		ल	त	खो	र	
	वा		नौ	क	र			सा
भा	ई		का			बा	द	ल

सालार के आगे दम तोड़ रही शाहरुख की डंकी!

शाहरुख खान ने साल 2023 में दो बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्में 'पठान' और 'जवान' दी. वहीं अब किंग खान की साल की तीसरी फिल्म 'डंकी' भी सिनेमाघरों में धमाल मचा रही है. फैमिली कॉमेडी ड्रामा ये फिल्म फुल ऑफ इमोशन भी है. इसकी कहानी से लोग कनेक्ट कर रहे हैं और इसी के साथ इसे दर्शकों का जबरदस्त रिस्पॉन्स भी मिल रहा है. हालांकि इस फिल्म को प्रभास स्टारर सालार से कड़ा मुकाबला भी करना पड़ रहा है और इसी वजह से शाहरुख खान की 'डंकी' का कारोबार उतना नहीं है जितने की उम्मीद की जा रही थी. चलिए यहां जानते हैं 'डंकी' ने रिलीज के नौवें दिन कितने करोड़ का कलेक्शन किया है? बॉलीवुड के बादशाह की 'डंकी' ने थिएटर्स में माहौल जमाया हुआ है. फिल्म को क्रिटिक्स से मिक्स्ड रिव्यू मिले हैं लेकिन दर्शकों से इसे अच्छा रिस्पॉन्स मिला है. फिल्म की इमोशनल कहानी दर्शकों के दिलों को छू गई है साथ ही ये फिल्म एक मैसेज भी देती है. इसी के साथ इस फिल्म को सिनेमाघरों में देखन के लिए दर्शकों की भीड़ उमड़ रही है. फिल्म की डे वाइड कमाई की बात करें तो इस फिल्म ने रिलीज के पहले दिन 29.2 करोड़, दूसरे दिन 20.12 करोड़, तीसरे दिन 25.61 करोड़, चौथे दिन 30.7 करोड़, पांचवें दिन 24.32 करोड़, छठे दिन 11.56 करोड़, सातवें दिन 10.5 करोड़ और आठवें दिन 8.21 करोड़ का कलेक्शन किया. इसी के साथ 'डंकी' की पहले हफ्ते की कुल कमाई 160.22 करोड़ रुपये हो गया है. वहीं अब इस फिल्म की रिलीज के दूसरे शुक्रवार यानी 9वें दिन की कमाई के शुरुआती आंकड़े भी आ गए हैं. रिपोर्ट के मुताबिक 'डंकी' ने रिलीज के 9वें दिन 7.25 करोड़ का कलेक्शन किया है. इसी के साथ 'डंकी' की 9दिनों की कुल कमाई अब 167.47 करोड़ रुपये हो गई है. 'डंकी' का बॉक्स ऑफिस मीटर देश में ही नहीं बढ़ रहा बल्कि दुनियाभर की टिकट खिड?ी पर भी इसके कलेक्शन में हर दिन इजाफा हो रहा है. वहीं रेड चिलीज एंटरटेनमेंट द्वारा शेयर किए गए आंकड़ों के मुताबिक 'डंकी' ने वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर 323.77 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है. वहीं न्यू ईयर वेकेशन पर दुनियाभर में इस फिल्म की कमाई में जबरदस्त उछाल आने की उम्मीद है.

परेश रावल की शास्त्री विरुद्ध शास्त्री ने नेटफ्लिक्स पर दी दस्तक

हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता परेश रावल पिछले कुछ समय से अपनी फिल्म शास्त्री विरुद्ध शास्त्री को लेकर चर्चा में हैं।यह फिल्म 29 दिसंबर को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर दस्तक दे चुकी है और इसे दर्शकों का प्यार भी मिल रहा है।शास्त्री विरुद्ध शास्त्री एक युवा लडके की कहानी है, जो अपने माता-पिता और दादा-दादी के बीच कानूनी लड़ाई में फंस जाता है।यह फिल्म जटिल विषयों से निपटकर परिवार की गतिशीलता की बारीकियों की जांच करती है। नेटफ्लिक्स इंडिया ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर फिल्म शास्त्री विरुद्ध शास्त्री का एक पोस्टर साझा किया है।इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, एक कोर्ट रूम ड्रामा, जो परिवार और बाकी सभी चीजों को एक साथ जोड़ता है। यह लड़ाई कौन जीतेगा यह जानने के लिए नेटफ्लिक्स पर शास्त्री विरुद्ध शास्त्री देखें।शास्त्री विरुद्ध शास्त्री में नीना कुलकर्णी भी मुख्य भूमिका में हैं। शिव पंडित, मिमी चक्रवर्ती, अमृता सुभाष और मनोज जोशी भी फिल्म का अहम हिस्सा हैं।

महेश बाबू स्टारर फिल्म गुंटूर करम का गाना कुर्ची मदाथपेट्टी रिलीज़

गुंटूर करम का कुर्ची मदाथपेट्टी गाना रिलीज हुआ। महेश बाबू प्रतिभाशाली त्रिविक्रम श्रीनिवास द्वारा निर्देशित अपनी आगामी फिल्म गुंटूर करम के साथ दर्शकों को लुभाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। 12 जनवरी, 2023 को संक्रांति विशेष के रूप में रिलीज़ के लिए निर्धारित, फिल्म ने पहले ही पर्याप्त चर्चा पैदा कर ली है, इसके पहले दो गानों को मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया की बदौलत। आज, फिल्म निर्माताओं ने बहुप्रतीक्षित तीसरा गीत, कुर्ची मदाथपेट्टी का अनावरण किया।

साहिथी चागंती और श्रीकृष्ण के भावपूर्ण स्वर, रामजोगय्या शास्त्री द्वारा लिखे गए विचारोत्तेजक गीतों के साथ मिलकर, कुर्ची मदाथपेट्टी को तुरंत हिट बनाते हैं। थमन द्वारा तैयार किए गए ऊर्जावान सामूहिक धुनों से युक्त इस गीत ने यूट्यूब पर, विशेष रूप से युवाओं और बड़े पैमाने पर दर्शकों के बीच महत्वपूर्ण ध्यान आकर्षित किया है। श्रीलीला और महेश बाबू के गतिशील नृत्य दृश्य दृश्य में चार चांद लगा रहे हैं, जो सुर्खियां बटोर रहे हैं। महेश बाबू के साथ, फिल्म में प्रतिभाशाली मीनाक्षी चौधरी अन्य महिला प्रधान भूमिका में हैं, और यह हारिका और हसीन बैनर के तहत निर्मित है। कलाकारों की टोली में जगपति बाबू, राम्या कृष्णन, प्रकाश राज, जयराम और अन्य शामिल हैं, जिनमें से प्रत्येक ने महत्वपूर्ण भूमिकाएँ निभाई हैं। मनोज परमहंस कथा के सार को पकडने् के लिए सिनेमैटोग्राफी के प्रभारी हैं, जबकि कुशल नवीन नूली एक सहज सिनेमाई अनुभव सुनिश्चित करने के लिए संपादन की जिम्मेदारी लेते हैं। जैसे-जैसे प्रत्याशा बढ़ती जा रही है, गुंटूर करम एक ब्लॉकबस्टर होने का वादा करता है जो जनता और समझदार दर्शकों दोनों को समान रूप से पसंद आएगा।(आरएनएस)

एनिमल में हॉट सीन से गर्दा उड़ाने के बाद तृप्ति डिमरी ने फिर लूटी महफिल

एनिमल की रिलीज के बाद से ही तृप्ति डिमरी रातों-रात स्टार बन गई हैं। उन्हें नेशनल क्रश कहा जाने लगा है। आज तृप्ति के फैंस उनकी एक झलक के लिए बेताब रहने लगे हैं। एक्ट्रेस भी चाहने वालों के साथ जुड़ी रहने के लिए सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। अब फिर से तृप्ति ने अपनी स्टनिंग अदाएं दिखाते हुए कई फोटोज शेयर की हैं। इस बार एक्ट्रेस देसी लिबास में नजर आ रही हैं।

लेटेस्ट लुक में तृप्ति व्हाइट पर्ल लहंगा पहने हुए नजर आ रही हैं। इसके साथ उन्होंने डीपनेक डिजाइनर ब्लाउज पेयरअप किया है। तृप्ति ने अपने इस लुक को सटल बेस, न्यूड रेड लिप्स और न्यूड आई मेकअप रखा है। वहीं, उन्होंने बालों को हाफ बांधकर मैसी टच दिया है। एक्सेसरीज के तौर पर तृप्ति ने गले में कुंदन का नेकपीस और छोटे-छोटे ईयरिंग्स पहने हैं।

तृप्ति इस एथनिक लुक में बेहद खूबसूरत और हॉट दिख रही हैं। फैंस तो उनकी अदाओं से नजरें ही नहीं हटा पा रहे हैं। चाहने वालों ने एक्ट्रेस की तारीफों के पुल बांधते हुए कई कमेंट्स किए हैं। इसके बाद अलावा लोगों ने उन्हें एनिमल के कैरेक्टर के साथ जोड़ते हुए भाभी 2 भी कहा है। कुछ ही समय में तृप्ति की फोटोज पर लाखों लाइक्स आ चुके हैं, जो तेजी से बढ़ रहे हैं।

दूसरी ओर तृप्ति के वर्क फ्रंट की बात करें तो एनिमल की सफलता के बाद उन्हें कई प्रोजेक्ट्स के ऑफर्स मिलने लगे हैं। अब जल्द ही उन्हें मेरे महबूब मेरे सनम और विक्की विद्या का वो वाला वीडियो टाइटल से बन रही फिल्मों में भी नजर आने वाली हैं। फैंस उन्हें फिर से पर्दे पर देखने के लिए बेताब हैं। (आरएनएस)

अंडरकवर कॉप के अवतार में आएंगी नजर खुशी दुबे

एक्ट्रेस खुशी दुबे के फैंस के लिए गुड न्यूज है। खुशी को जल्द ही नए शो में देखा जाएगा। वो शो आंख मिचौली में नजर आएंगी। इस शो की कहानी एक अंडरकवर कॉप की कहानी है। शो में खुशी दुबे और नवनीत मलिक लीड रोल में हैं।

आंख मिचौली के मेकर्स ने इस कॉप ड्रामा का एक दिलचस्प प्रोमो जारी किया है। प्रोमो में एक तरफ रुक्मिणी (खुशी दुबे) को एक अंडरकवर कॉप के रूप में गुंडों से लड़ते हुए दिखाया गया है। वहीं दूसरी तरफ, रुक्मिणी पर परिवार का प्रेशर है। रुक्मिणी को शादी करने के लिए मजबूर किया जा रहा है। लेकिन रुक्मिणी एक जानी मानी अधिकारी बनने की इच्छा रखती है।

ऐसे में शो की कहानी बेहद दिलचस्प होने वाली है। आंख मिचौली सास बहू की एक ट्विस्ट से भरी कहानी होगी। रुक्मिणी की जर्नी को देखना दिलचस्प होगा कि कैसे वो अपने लक्ष्यों को हासिल करती है, या क्या शादी उसके इस सपने को तोड़ दिया जाएगा। बता दें कि आंख मिचौली स्टार प्लस पर रिलीज होगा।

मालूम हो कि खुशी को वेब शो आशिकाना से नेम फेम मिला था। इस शो में वो लीड रोल में थीं। उनके कैरेक्टर का नाम चिक्की था, जिसे फैंस ने खूब प्यार दिया। इस शो में वो जैन इबाद खान के अपोजिट रोल में थीं। खुशी को शो नागिन, कैसा अटूट रिश्ते की जोर जैसे शोज में देखा गया। वो 2013 में फिल्म बॉम्बे टॉकीज में भी नजर आई थीं। इसके अलावा उन्होंने 2015 में फिल्म दिल धड?ने दो में भी काम किया है। इस फिल्म में वो पुतलू मेहरा के रोल में थीं।(आरएनएस)

रवि तेजा की मूवी ईगल से दूसरा एकल गैलान्थे गीतात्मक वीडियो जारी

प्रतिभाशाली फिल्म निर्माता कार्तिक घट्टमनेनी द्वारा निर्देशित बहुप्रतीक्षित एक्शन थ्रिलर, ईगल, अपने शानदार कलाकारों के साथ महत्वपूर्ण चर्चा पैदा कर रही है, जिसमें काव्या थापर मुख्य अभिनेत्री के रूप में हैं, साथ ही पावरहाउस कलाकार मास महाराजा और आकर्षक अनुपमा परमेश्वरन भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

यह फिल्म, अपनी शुरुआत से ही, न केवल मास महाराजा के समर्पित प्रशंसक आधार से, बल्कि व्यापक सिनेमा दर्शकों से भी उच्च उम्मीदों से घिरी रही है। कथा में गहराई जोड़ते हुए नवदीप, वसारसला श्रीनिवास और मधुबाला के उल्लेखनीय प्रदर्शन ने कलाकारों की टोली को समृद्ध किया है।

पीपुल्स मीडिया फैक्ट्री के बैनर तले चल रहे निर्माता टीजी विश्वप्रसाद और विवेक कुचिभोटला के संयुक्त प्रयासों की बदौलत सिनेमाई उद्यम को बड़े पैमाने पर जीवंत किया जा रहा है। दृश्यात्मक रूप से आश्चर्यजनक और मनोरम फिल्म अनुभव प्रदान करने की उनकी प्रतिबद्धता स्पष्ट है, जिससे सिनेप्रेमियों के बीच प्रत्याशा का स्तर बढ़ गया है।

ईगल के पहले गाने, टीजर् और ट्रेलर के अनावरण सहित हालिया रिलीज़ ने एक रोमांचक सिनेमाई अनुभव के लिए मंच तैयार करते हुए एक मजबूत छाप छोड़ी है। आज, रचनात्मक टीम ने मधुर ट्रैक गैलेन्थे जारी करके फिल्म की संगीतमय टेपेस्ट्री में एक और परत जोड़ दी।

प्रतिभाशाली संगीतकार दवजंद द्वारा तैयार किया गया यह गीत कपिल कपिलन और लिन की भावपूर्ण आवाजों के माध्यम से जीवंत हो गया है। कृष्णकांत की गीतात्मक सूक्ष्मता गीत की भावनात्मक गहराई को और बढ़ाती है, जिससे एक सामंजस्यपूर्ण मिश्रण बनता है जो दर्शकों के साथ गूंजता है। यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म पर सकारात्मक स्वागत और बढ़ते व्यूज गाने की व्यापक अपील का प्रमाण हैं।

जैसे-जैसे उत्साह बढ़ता है और प्रचार गतिविधियां जारी रहती हैं, ईगल 13 जनवरी को स्क्रीन पर रिलीज होने के लिए तैयार है, जो दर्शकों को एक गहन सिनेमाई यात्रा की पेशकश करेगा। रिलीज से पहले की सभी घटनाओं के पूरा होने के साथ, यह फिल्म हाई-ऑक्टेन एक्शन, एक सम्मोहक कहानी और एक संगीतमय स्कोर के संयोजन के साथ दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने के लिए तैयार है जो सही तालमेल बिठाता है। फिल्म के निर्माण में किए गए सावधानीपूर्वक प्रयास, आकर्षक प्रचार सामग्री के साथ मिलकर, ईगल को एक बहुप्रतीक्षित सिनेमाई उपचार बनाते हैं जो दर्शकों पर एक स्थायी प्रभाव छोडने् के लिए तैयार है। फिल्म की रिलीज की उलटी गिनती इस एक्शन से भरपूर तमाशे का बेसब्री से इंतजार कर रहे सिनेप्रेमियों के लिए नए साल की रोमांचक शुरुआत का वादा करती है। (आरएनएस)

उत्तर-दक्षिण का कोई विभाजन नहीं है

अजीत द्विवेदी

उत्तर भारत की हिंदी पट्टी के तीन राज्यों में भाजपा की और तेलंगाना में कांग्रेस की जीत के बाद उत्तर-दक्षिण के विभाजन का एक विमर्श खड़ा किया गया है। कहा जा रहा है कि कांग्रेस अब दक्षिण भारत की पार्टी रह गई है, जबकि भाजपा उत्तर भारत की पार्टी है। यह भी कहा जा रहा है कि उत्तर और दक्षिण भारत दो टापू हो गए हैं, जिनके बीच की दूरी बढ़ती जा रही है। यह एक राजनीतिक विमर्श है, जिसे आगे बढ़ाने के लिए सामाजिक और आर्थिक पहलुओं का भी संदर्भ दिया जा रहा है। भाषायी विभाजन का वितंडा खड़ा हो रहा है तो सनातन और सनातन विरोध का विमर्श आगे बढ़ाया जा रहा है। यह सही है कि भाषा, संस्कृति, खान-पान और दूसरी कई चीजों में देश के दोनों हिस्सों में बहुत भिन्नता है। लेकिन यह भिन्नता तो सदियों से है और आधुनिक तकनीक व विकास ने तो इस भेद को काफी हद तक कम कर दिया है फिर इस तरह के विमर्श का क्या मतलब है?

सबसे पहले राजनीतिक विभाजन की बात करनी चाहिए क्योंकि जैसे ही यह साबित होगा कि उत्तर और दक्षिण का कोई राजनीतिक विभाजन नहीं है और दक्षिण भारत की राजनीति में कांग्रेस और भाजपा दोनों की स्थिति लगभग समान है तो अपने आप सामाजिक, धार्मिक और आर्थिक विभाजन का विमर्श कमजोर पड़ेगा। कांग्रेस को दक्षिण भारत की पार्टी बताने वाले लोग यह भूल जा रहे हैं कि कांग्रेस कई दशकों से लगातार दक्षिण में कमजोर होती जा रही है और भाजपा धीरे धीरे मजबूत हो रही है। दक्षिण भारत की राजनीति में दोनों की स्थिति में कोई खास फर्क नहीं है। आंकड़ों से भी इस बात की पुष्टि हो सकती है। दक्षिण भारत के पांच राज्यों- तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में लोकसभा की कुल 129 सीटें हैं। इनमें से कांग्रेस के पास 27 सीटें हैं तो भाजपा के पास ३० सीटें हैं। सोचें, कांग्रेस से तीन सीटें ज्यादा हैं, भाजपा के पास।

कह सकते हैं कि भाजपा की ३० सीटें सिर्फ दो राज्यों- कर्नाटक और तेलंगाना में हैं, जबकि कांग्रेस की 27 सीटें चार राज्यों- तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक और तेलंगाना में हैं। बहस के लिए ऐसा कहा जा सकता है लेकिन इससे वास्तविक तस्वीर साफ नहीं होती है। उसके लिए कुछ और आंकड़ों को बारीकी से देखना होगा। ध्यान रहे भाजपा अभी तक दक्षिण में सिर्फ कर्नाटक की पार्टी मानी जाती थी। बाकी राज्यों में उसका आधार बहुत सीमित था। लेकिन धीरे धीरे तस्वीर बदल रही है। कर्नाटक में चुनाव हार कर सत्ता से बाहर होने के बाद भी भाजपा को 36 फीसदी वोट मिला है। इसी तरह तेलंगाना में २०18 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को सिर्फ 6.9 फीसदी वोट मिले थे, जो २०23 के चुनाव में बढ़ कर 12.88 फीसदी हो गया है यानी भाजपा का वोट लगभग दोगुना हुआ है। भाजपा के लिए सबसे मुश्किल माने जाने वाले प्रदेश केरल में २०16 में भाजपा को १०.6 फीसदी वोट मिले थे, जो २०21 में बढ़ कर 11.3 हो गया।

सबसे दिलचस्प आंकड़ा तमिलनाडु विधानसभा चुनाव का है, जहां २०21 में कांग्रेस और डीएमके साथ लड़े थे तो भाजपा और अन्ना डीएमके साथ मिल कर लड़े थे। चूंकि अन्ना डीएमके के खिलाफ १० साल की एंटी इन्कम्बैंसी थी तो वह हार रही थी, जिसका नुकसान भाजपा को भी हुआ। भाजपा गठबंधन में २० सीटों पर लड़ी थी और उसे 2.62 फीसदी वोट मिले थे। दूसरी ओर जीतने वाले पक्ष के यानी डीएमके के साथ कांग्रेस 25 सीटों पर लड़ी थी फिर भी उसे सिर्फ 4.27 फीसदी वोट मिले। ऐसे ही आंध्र प्रदेश में कांग्रेस 174 सीट पर लड़ी थी और उसे सिर्फ 1.17 फीसदी वोट मिले थे, जबकि भाजपा 173 सीटों पर लड़ी थी और उसे ०.84 फीसदी वोट मिले थे। वहां भी दोनों के वोट में ज्यादा अंतर नहीं था। इन आंकड़ों के हिसाब से देखें तो दक्षिण भारत में कांग्रेस और भाजपा लगभग बराबर की हैसियत वाली पार्टियां हैं। लोकसभा चुनाव में भी दोनों के वोट शेयर में ज्यादा फर्क नहीं है।

इसके बावजूद उत्तर और दक्षिण के विभाजन का विमर्श खड़ा करने का आधार यह है कि दो राज्यों में कांग्रेस की सरकार बन गई है। लेकिन यह वैचारिक विमर्श का मजबूत आधार नहीं है क्योंकि इन दो में से एक राज्य में थोड़े दिन पहले तक भाजपा की सरकार थी। अगले चुनाव में एक बार फिर स्थिति बदल सकती है। भाजपा को एक झटका तमिलनाडु में इस बात से लगा कि उसकी सहयोगी अन्ना डीएमके ने उससे तालमेल खत्म कर लिया। लेकिन उसके तुरंत बाद कर्नाटक में भाजपा को जेडीएस के रुप में एक नई सहयोगी पार्टी मिल गई। आंध्र प्रदेश में भाजपा को तय करना है कि वह क्या करे। पवन कल्याण की जन सेना पार्टी के साथ उसका तालमेल हो गया है और चंद्रबाबू नायडू की तेलुगू देशम पार्टी के साथ भी तालमेल का फैसला उसने खुद रोका है। इसका मतलब है कि दक्षिण भारत की पार्टियों में भाजपा अछूत नहीं है। सो, चाहे वोट प्रतिशत की बात हो, राजनीतिक एजेंडे की बात हो या सहयोगी पार्टियों की बात हो, हर पैमाने पर दक्षिण भारत में भाजपा उतनी ही मजबूती से खड़ी है, जितनी मजबूती से कांग्रेस खड़ी है। भाजपा अब वास्तविक अर्थों में पूरे देश की पार्टी हो गई है। पूर्वोत्तर के मिजोरम जैसे राज्य में उसे दो सीटें मिली हैं, जहां कांग्रेस एक सीट पर सिमट गई। दो बड़े पूर्वी राज्यों- पश्चिम बंगाल और ओडिशा में भाजपा मुख्य विपक्षी पार्टी है, जबकि कांग्रेस दो-चार सीटों पर सिमट गई है।

जिस तरह से यह नैरेटिव गलत है कि भाजपा दक्षिण भारत की पार्टी नहीं है वैसे ही यह भी गलत है कि उत्तर भारत से कांग्रेस का बोरिया बिस्तर बंध गया है। उत्तर में कांग्रेस अब भी बड़ी ताकत है। जिन तीन राज्यों में इस साल के चुनाव में वह हारी है वहां भी उसे 4० फीसदी या उससे ज्यादा वोट मिला है और वह मजबूत विपक्षी पार्टी बनी है। हिमाचल प्रदेश में उसकी सरकार है तो हरियाणा, पंजाब और उत्तराखंड में वह मुख्य विपक्षी पार्टी है। बिहार और झारखंड में अपनी सहयोगी पार्टियों के साथ वह सरकार में है। उसका सूपड़ा साफ सिर्फ दो राज्यों में हुआ है और वो राज्य हैं उत्तर प्रदेश और दिल्ली। सो, कांग्रेस अब भी उत्तर भारत में अपना आधार बचाए हुए है तो भाजपा दक्षिण भारत में अपना विस्तार करते हुए है। इसलिए उत्तर-दक्षिण के राजनीतिक विभाजन का कोई आधार नहीं है। हां, अगर परिसीमन के दौरान आबादी के आधार पर लोकसभा की सीटों की संख्या बढ़ाने की कोई पहल होती है तो उस समय विभाजन बढ़ेगा और टकराव हो सकता है। इसलिए सोच समझ कर यह काम करना होगा।

जहां तक भाषायी और सांस्कृतिक विभाजन का मामला है तो वह बेहद संवेदनशील है, जिसे सावधानी से हैंडल करना होगा। भाजपा की केंद्र सरकार हिंदी को प्राथमिकता दे रही है और दिल्ली में सारे कामकाज हिंदी में हो रहे हैं। संसद में मंत्री हिंदी में जवाब दे रहे हैं। इसमें संतुलन बनाने की जरूरत है। हालांकि यह अच्छी बात है कि दक्षिण के राज्यों में, जहां भाजपा की सरकार थी या सहयोगियों के साथ वह सरकार में रही वहां हिंदी थोपने का काम नहीं हुआ। दिल्ली से भी दक्षिणी राज्यों पर हिंदी थोपने का प्रयास नहीं किया जा रहा है। तकनीक ने भी भाषायी विभाजन को काफी कम किया है और पर्यटन व तीर्थाटन से भी यह दूरी मिट रही है। अगर इस भिन्नता को अलगाव मानने की बजाय विविधता के रूप में देखें और इस विविधता का उत्सव मनाएं तो उससे भी सामाजिक एकता सुनिश्चित होगी।

सू- दोकू क्र.053

	2			6			1	
3			4			2		
							6	
6					4			
	9		5			6		1
4		3			9			2
	8		2				7	
1		2		4		9		6

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.52 का हल

8	7	6	9	5	1	2	3	4
1	3	9	2	8	4	5	6	7
4	5	2	3	7	6	9	1	8
2	8	5	4	6	7	1	9	3
3	1	7	8	9	2	4	5	6
6	9	4	1	3	5	7	8	2
9	4	1	6	2	8	3	7	5
7	2	8	5	1	3	6	4	9
5	6	3	7	4	9	8	2	1

राम मन्दिर उद्घाटन में कितना धर्म-कितनी राजनीति

अजय दीक्षित

बाबरी मस्जिद गिराने के बाद उस भूमि के स्वामित्व को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट में मामला बहुत दिनों तक लम्बित रहा । जिस दिन फैसला आना था, सरकार के द्वारा परस्पर क्लैश की आशंका के मद्देनज़र लोगों को घर में रहने की ही सलाह दी गई । जिनको उस दिन का स्मरण होगा उन्हें याद होगा कि उस दिन ट्रेनें खाली गईं। किसी ने भी सफर नहीं किया । इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले की अपील मुस्लिम पक्ष द्वारा उच्चतम न्यायालय में की गई । वहां भी मामला बहुत दिनों तक लम्बित रहा । अन्ततः तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति गोगाई की अध्यक्षता में गठित बैंच ने मुस्लिम पक्ष हिन्दू पक्ष और ठाकुर जी के नाम से जमीन के बंटवारे का फैसला सुनाया । हिन्दू पक्ष को मिली जमीन पर भव्य राम मन्दिर बनाने के लिए केन्द्रीय शासन ने एक स्वायत्त संस्था बनाई । सिद्धांततः अयोध्या में राम मन्दिर सरकार नहीं बना रही है और इसमें न तो केन्द्रीय सरकार का और न ही उत्तर प्रदेश की सरकार का पैसा लगा हुआ है । यूं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समय-समय पर अयोध्या का दौरा करते हुए निर्माण की प्रगति का निरीक्षण करते रहते हैं । शायद जिनको 22 जनवरी के उद्घाटन का निमंत्रण गया है, उनके लिए ठहरने के लिए जो आवासीय व्यवस्था आदि की जा रही है, वह शायद उत्तर प्रदेश शासन द्वारा ही हो रही हो। यूं साफ़, सफ़ाई, लीपापोती, घाटों का निर्माण और उनका पुर्नद्धार, फैजाबाद में सुन्दरता को लेकर कार्यवाही राज्य सरकार की ओर से ही की जा रही है । मोदी जी ने ३० दिसम्बर को फैजाबाद रेलवे स्टेशन व नया बना हवाई अड्डे का उद्घाटन किया।

22 जनवरी २०24 को फैजाबाद जो अब अयोध्या कहलाता है, उस दिन केवल निमंत्रित लोग ही आ सकते हैं। साधू-संतों, महन्तों, मठाधीशों आदि धर्म कर्म में लिप्त लोगों के अलावा बड़े-बड़े उद्योगपतियों, सिने स्टारों, खिलाडियों, प्रसिद्धि प्राप्त लोगों के अलावा राजनीति से जुड़े लोगों को भी निमंत्रण गया है। कहते हैं सभी राजनैतिक दलों के मुखिया को भी बुलाया गया है। परन्तु अखिलेश यादव, उद्धव ठाकरे आदि को निमंत्रण नहीं गया है । कहने को तो निमंत्रण मन्दिर समिति द्वारा भेजा जा रहा है परन्तु टी.वी. चैनलों पर भाजपा के प्रवक्ता कहते हैं कि क्योंकि मुलायम सिंह के मुख्यमंत्री काल में कार सेवकों की धरपकड़ हुई थी, इसी से उनके पुत्र अखिलेश यादव को निमंत्रण नहीं गया है । यदि मुलायम सिंह हिन्दू विरोधी तो क्यों कर मरणोपरांत उन्हें पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया ? यह दोहरा रवैया क्यों ? यादव वोट साधने के लिए ही उन्हें पद्म पुरस्कार दिया गया है, यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है । उद्धव ठाकरे को इसलिए निमंत्रण नहीं गया क्योंकि मन्दिर प्रबन्धकों की नज़र में शिन्दे गुट ही असली शिवसेना है ।

लोग भूले नहीं हैं कि बाबरी मस्ज़िद विध्वंस को लेकर विशेष कोर्ट में जो मुकदमा चला उसमें लालकृष्ण आडवाणी सहित भाजपा के सभी शीर्ष नेताओं ने कहा कि वे उस दिन बाबरी मस्ज़िद के पास उपस्थित नहीं थे । जज साहब ने एक मिनट में फैसला सुनाकर सबको बरी कर दिया । बाला साहेब ठाकरे ने ताल ठोककर कहा था कि उनके शिव सैनिकों ने ही बाबरी मस्ज़िद का ढांचा गिराया है। उन्हें चुनाव आयोग ने दण्ड स्वरूप छः वर्ष तक चुनाव न लडने और वोट न देने की सजा दी ।

अच्छा होता बाला साहेब के सुपुत्र उद्धव ठाकरे को निमंत्रण जाता। अखिलेश यादव उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रह चुके हैं । उनको बुलाना उचित ही होता । सोनिया गांधी को निमंत्रण जाने के पीछे तर्क दिया जा रहा है कि वे भूतपूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पत्नी हैं । अब देखना यह है कि एक रोमन कैथोलिक को निमंत्रण देकर माना जाना चाहिए कि गैर हिन्दुओं के राम मन्दिर प्रवेश पर कोई प्रतिबंध नहीं रहेगा । राहुल गांधी को भी निमंत्रण नहीं है । विपक्ष का आरोप है कि पी.एम.ओ. के पूर्व वरिष्ठ अधिकारी दीपेन्द्र मिश्रा राम मन्दिर ट्रस्ट के मुख्य कर्ताधर्ता हैं। अच्छा हो सभी उदार हृदय दिखलाकर इस भव्य मन्दिर के उद्घाटन पर उपस्थित हों और परस्पर सौहार्द दिखलाये । दंगल के अखाड़े के लिए और बहुत जगह हैं। राम मन्दिर को इसमें न ही घसीटा जाये । सभी को सद्बुद्धि आये और सभी मर्यादा में रहें, इसी में सभी का कल्याण है । राम तो मर्यादा पुरुषोत्तम हैं।

जिलाधिकारी व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने निराश्रित, बेसहारा लोगों को कम्बल बांटे

कार्यालय संवाददाता

हरिद्वार। जिलाधिकारी धीराज सिंह गर्ब्याल एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेन्द्र डोभाल ने बृहस्पतिवार की देर रात्रि को हरकीपैड़ी, बस अड्डा, रेलवे स्टेशन आदि अनेक स्थानों में पहुंचकर ठण्ड में निराश्रित, बेसहारा लोगों का हालचाल जाना तथा ठंड से बचाव के लिये ऐसे लोगों को कम्बलों का वितरण किया। जिलाधिकारी ने इस दौरान शहर के विभिन्न स्थानों में जलाये गये अलावों का भी निरीक्षण किया तथा अधिकारियों को निर्देश दिये कि ठण्ड से बचाव के लिये निराश्रित व बेसहारा लोगों का विशेष ध्यान रखा जाये तथा अगर कोई खुले में रह रहा है, तो उसे तुरन्त रैन बसेरों में भेजा जाये। इस अवसर पर एसडीएम अजय बीर सिंह, एस0पी0 सिटी स्वतंत्र कुमार सिंह, सीओ सिटी सुश्री जूही मनराल सहित सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित थे।

मकान का ताला तोड नगदी व जेवरात चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने मकान का ताला तोडकर वहां से बीस हजार रूपये नगद व जेवरात चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार भोगपुर निवासी दिनेश कुमार ने रानीपोखरी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह परिवार के साथ 31 दिसम्बर को बाहर गया था आज जब वह वापस आया तो उसने देखा कि उसके मकान का ताला टूटा हुआ था तथा अन्दर सारा सामान बिखरा हुआ था। चोर उसके यहां से बीस हजार रूपये नगद व जेवरात चोरी करके ले गये हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

परेड में बिगुल बजाने वाले सिपाही ने आरआई से की अभद्रता, मुकदमा दर्ज

हमारे संवाददाता

देहरादून। राजधानी देहरादून की पुलिस रिजर्व लाइन में आज साल के पहली शुक्रवार की परेड में बिगुल बजाने वाले सिपाही ने ऐसा कांड कर दिया जो पुलिस महकमें में चर्चा का विषय बन गया है। आज शुक्रवार की परेड के दौरान रिजर्व पुलिस का बिगुलर बजाने वाला सिपाही जितेंद्र परेड के दौरान ही अपने (आर. आई.) रिजर्व इंस्पेक्टर जगदीश पंत से उलझ गया और उनसे धक्का मुक्की व बतमीजी करने लगा। आर आई पंत द्वारा अब इस मामले की तहरीर थाना नेहरू कालोनी में दिये जाने की तैयारी की जा रही है। बताया जा रहा है कि आज परेड के दौरान बिगुल्लर समय से पहले ही परेड समाप्ति का बिगुल बजाने आ गया था जिसके उपरांत आर.आई. जगदीश पंत द्वारा उसे टोका गया। फिर क्या था बिगुल्लर ने आव देखा न ताव देखा सीधा बिगुल जमीन पर फेंक कर वह आर. आई. पंत से उलझ पड़ा और धक्का मुक्की करने लगा। जिस पर कई पुलिसकर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद बिगुल्लर को काबू में किया और उसको शांत करवाया गया। विभागीय सूत्रों का कहना है कि उक्त बिगुल बजाने वाला सिपाही पूर्व में नशे का आदि था व कुछ साल पहले वह नशा मुक्ति केंद्र में भी भर्ती था। नशा मुक्ति केंद्र से बाहर आने के बाद जब से उसने ड्यूटी पुनः ज्वाइन की थी तबसे अब तक कई बार उसे इस प्रकार के मानसिक दौरे आए हैं। वही मामले में जब आर.आई. जगदीश चंद्र पंत से सम्पर्क किया गया तो उनका कहना था कि मुकदमा दर्ज कराया जायेगा।

जीजा ने ही की थी साले की हत्या... ◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

जिला सहारनपुर, साईर अली उर्फ छोटा पुत्र हमीद निवासी मुकर्रम पुर कालावाला थाना भगवानपुर व गुफरान पुत्र फुरकान निवासी शेरपुर खानाजादपुर थाना बिहारीगढ़ जिला सहारनपुर है। बताया कि पकड़े गए आरोपियों ने पूछताछ में बताया गया कि मृतक मुकीम अपने पिता का अकेला बेटा था और उसके पिता के पास मुनाफे वाली जमीन बहुत थी। मुकीम के जीजा अमजद ने षड्यंत्र रचकर जमीन की वसियत अपने नाम करवायी। मुकीम की शादी तय होने की खबर मिलने पर अमजद को लगा कि अब तो प्रॉपर्टी हाथ से गई। प्रॉपर्टी बचाने के लिए मृतक के जीजा ने अपने साथियों के साथ मिलकर 29 दिसम्बर की रात को मुकीम की हत्या कर शव को तेलपुरा नदी के किनारे रेत में दबा दिया। एसएसपी ने बताया कि आरोपियों के पास से गाड़ी को खींचने वाला लोहे का टो-चन बोल्ट, गमछा सफेद कलर व घटना में प्रयुक्त स्वीफ्ट कार भी बरामद हुयी है। जिन्हे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

ठगी करने वाला अंतर्राज्यीय गिरोह का शातिर बिहार से गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

उत्तरकाशी। लोन दिलाने के नाम पर फर्जी ऐजेन्ट बनकर लाखों रुपये की धोखाधड़ी करने वाले अन्तर्राजीय गिरोह के एक शातिर को पुलिस ने बिहार से गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार वर्ष 2022 में डामटा पुरोला निवासी दिनेश प्रसाद डोभाल द्वारा प्रेम झा सहित 3 अन्य लोगो के खिलाफ ऑल इण्डिया पेट्रोलियम बजाज फाईनेंस कम्पनी एवं मुद्रा लोन कम्पनी के ऐजेन्ट बनकर लोन देने के नाम भिन्न-भिन्न तिथियों में अलग-अलग खातों पर 14 लाख 44 रुपये की धोखाधडी करने का पुरोला थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया था। जिस पर थानाध्यक्ष पुरोला की देख-रेख में आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु उप निरीक्षक बृजपाल सिंह चौकी प्रभारी डामटा के नेतृत्व में पुरोला पुलिस व एसओजी की संयुक्त टीम घटित की गयी। पुलिस टीम द्वारा एसओजी से टैक्नीकल सहयोग लेते हुये सुरागरसी-पतारसी कर सम्भावित स्थानों पर दबिश दी गयी, आरोपियों के शातिर प्रवृत्ति का होने के कारण वह बार-बार गिरफ्तारी से बचने हेतु स्थान बदलते रहे। लेकिन पुलिस ने भी कड़ी मशक्कत के बाद प्रकरण से सम्बन्धित एक आरोपी रविकुमार पुत्र राम मिस्त्री निवासी मीरविगह थाना बारिसलीगंज जनपद नवादा, बिहार को स्थानीय पुलिस के सहयोग से बारिसलीगंज, नवादा से गिरफ्तार कर लिया गया है। जिसने बताया कि वह अपने ही गांव के गोपाल के साथ मिलकर लोगों से पैसो की ठगी करता है, हम दोनों के द्वारा दिनेश कुमार के साथ भी प्रेम झा व अन्य काल्पनिक नाम का ऐजेन्ट बनकर ठगी की गयी थी।

पुलिस के अनुसार यह लोग बजाज फाईनेंस कम्पनी के फर्जी ऐजेन्ट बनकर कॉल कर लोगों को लोन देने के नाम पर लोगों को झांसे में लेकर उनके साथ ठगी करते थे, उक्त आरोपी के विरुद्ध मुम्बई, पश्चिम बंगाल, उत्तरकाशी सहित अन्य राज्यों में भी धोखाधड़ी के अभियोग पंजीकृत हैं। बहरहाल पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश कर दिया है।

मूल निवास व भू-कानून... ◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

कानून सम्मत हो लेकिन सरकार अगर इन्हें मानते हुए कोई कानून लाती है तो उसे मैदानी क्षेत्र व बाहर से आकर बसे लोगों के कोप का भाजन बनना ही पड़ेगा और अगर सरकार ऐसा नहीं करती है तो पहाड़ के लोगों का विरोध झेलना पड़ेगा।

राज्य की डेमोग्राफी को सुधारने का शगुफा छोड़कर राज्य में पहाड़ के हितों की सुरक्षा का दावा करने वाली सरकार के लिए अब उसका यह दांव खुद पर ही उल्टा पड़ता दिखाई दे रहा है। जो लोग राज्य बनने व उससे 2-4 दशक पहले से राज्य में रह रहे हैं उन्होंने भी इस मुद्दे पर आस्तीने चढ़ा ली है क्योंकि उनकी भी संख्या बल के हिसाब से ताकत कम नहीं है 30 से 35 फीसदी मतदाता इसके दायरे में आते हैं जिन्हें कोई कानून व सरकार आसानी से बाहर निकाल कर नहीं फेक सकती है। यही कारण है कि विपक्षी दल इन मुद्दों को बड़े राजनीतिक लाभ के मुद्दे मान रहे हैं। वही सरकार के पास अब इतना समय भी नहीं है कि इन दोनों अहम मुद्दों पर कोई जल्द फैसला ले सके। सूबे की धामी सरकार द्वारा सिलक्यारा सुरंग हादसे के सफल रेस्क्यूं अभियान से लेकर नकल विरोधी कानून लाने, लैंड जिहाद व लव जिहाद के खिलाफ अभियान चलाने व धार्मिक स्थलों की आड़ में अतिक्रमणों पर बुलडोजर चलाने, महिलाओं को 30 फीसदी आरक्षण व आंदोलनकारी को 10 फीसदी क्षैतिज आरक्षण देने से लेकर यूसीसी लागू करने तक जो छोटे-बड़े काम किए गए थे उन सारी सरकार की उपलब्धियां को भू कानून और मूल निवास के इन मुद्दों नें पीछे धकेल दिया है। सरकार अब हर संभव यह प्रयास कर रही है कि वह लोगों को यह भरोसा दिलाए कि इन मुद्दों को लेकर वह संवेदनशील है और जो भी फैसले लिए जाएंगे वह राज्य के हित में ही लिए जाएंगे। लेकिन सरकार के इन प्रयासों को सिर्फ मुद्दों को टालने की कोशिश ही माना जा रहा है। विपक्ष चुनाव में अब इन मुद्दों को कितना भुना पाता है? यह विपक्ष की कोशिशो पर निर्भर करता है और सरकार इन्हें कितना बेअसर कर पाती है यह सरकार की कोशिशों पर निर्भर है। लेकिन यह मुद्दे बेअसर साबित नहीं होंगे यह तय हो चुका है।

-नशा तस्करी पर एसटीएफ की बड़ी कार्यवाही-

पांच किलो से अधिक चरस सहित अतर्राज्यीय नशा तस्कर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। नशा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्यवाही करते हुए एसटीएफ की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स व स्थानीय पुलिस ने एक अंतर्राज्यीय नशा तस्कर को पांच किलो 305 ग्राम चरस सहित गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी शातिर किस्म का नशा तस्कर है जो लम्बे समय से नशा तस्करी में लिप्त बताया जा रहा है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ आयुष अग्रवाल ने बताया कि बीते रोज एसटीएफ की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स को सूचना मिली कि क्षेत्र में कोई नशा तस्कर नशीले पदार्थों की बड़ी खेप सहित आने वाला है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए एएनटीएफ फोर्स ने थाना बैजनाथ पुलिस के साथ मिलकर क्षेत्र में संयुक्त चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान इस संयुक्त टीम को कंधार बैंड ग्वालदम रोड के पास एक संदिग्ध व्यक्ति आता हुआ दिखायी दिया। टीम द्वारा जब उसे रोकने का प्रयास किया गया तो वह सकपका कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर रोका गया। तलाशी के दौरान उसके पास से 5 किलो 305 ग्राम चरस बरामद हुई। पूछताछ में उसने अपना नाम दया किशन तिवारी पुत्र स्वर्गीय पूर्णानंद तिवारी निवासी नियर अरिहंत स्कूल हल्दुचौढ. थाना लाल कुआं जनपद नैनीताल बताया। बताया कि वह यह चरस पहाड़ों से अलग-अलग व्यक्तियों से खरीद कर लाल कुआं/ रुद्रपुर आदि मैदानी क्षेत्र में बेचने जा रहा था। एसटीएफ के अनुसार आरोपी शातिर किस्म का नशा तस्कर है जो लम्बे समय से नशा तस्करी को अंजाम दे रहा था। बहरहाल उसके खिलाफ थाना बैजनाथ में मुकदमा कायम कर उसे न्यायालय में पेश किया गया जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। बरामद चरस की कीमत 26 लाख रूपये बतायी जा रही है।

पान के खोखे का ताला तोड नगदी व सामान चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने पान के खोखे का ताला तोड वहां से नगदी, बीडी-सिगरेट के डिब्बी व अन्य सामान चोरी कर लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।प्राप्त जानकारी के अनुसार सुद्धोवाला निवासी विकास कुमार ने प्रेमनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि सुद्धोवाला में उसका पान का खोखा है। आज जब वह वहां पर आया तो उसने देखा कि उसके खोखे का ताला टूटा हुआ था तथा सारा सामान बिखरा हुआ था। चोर उसके यहां से बीडी के बंडल, सिगरेट की डिब्बियां व नगदी चोरी करके ले गये हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

RAMAKRISHNA MISSION ASHRAMA
Vivekananda Netralaya
(A branch of Ramakrishna Mission, Belur Math, Howrah, W.B.)
Jhanpur, P.O. Rajpur Road, Dehradun - 248009, Uttarakhand
Phone : (0135)2734356, Web : www.vivekanandanetralaya.org
A Super Speciality Eye Care Centre

मेडिकल रिकार्ड के निस्तारण हेतु सूचना

विवेकानन्द नेत्रालय-रामकृष्ण मिशन आश्रम के समस्त मरीजों को सूचित किया जाता है कि वर्ष 2018 हेतु इनपेशेंट मरीजों के मेडिकल रिकॉर्ड निस्तारण का प्रस्ताव है।

अतः इस नोटिस के 15 दिनों के भीतर उक्त मरीज एक निवेदन देकर अपने मेडिकल रिकॉर्ड की प्रति प्राप्त कर सकते है इसके उपरान्त अस्पताल की कोई जिम्मेदारी नही होगी।

दिनांक-

डॉ0 मानसी गुसाई पोखरियाल
चिकित्सा अधीक्षक

एक नजर

शाही ईदगाह-कृष्ण जन्मभूमि विवाद पर दायर याचिका खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को मथुरा की शाही ईदगाह मस्जिद स्थल को कृष्ण जन्मभूमि के रूप में मान्यता देने और मस्जिद को हटाने के लिए एक जनहित याचिका (पीआईएल) को खारिज कर दिया। सुप्रीम कोर्ट में न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ के समक्ष शुक्रवार को सुनवाई हुई। पिछले अक्टूबर में इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा जनहित याचिका खारिज करने के बाद अधिवक्ता महक माहेश्वरी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई थी। उन्होंने विवादित स्थल को हिंदू भगवान कृष्ण के वास्तविक जन्मस्थान के रूप में मान्यता देने की मांग की थी और कृष्ण जन्मभूमि जन्मस्थान के लिए एक ट्रस्ट की स्थापना के लिए जमीन हिंदुओं को सौंपने का आग्रह किया था। जनहित याचिका के माध्यम से वकील ने दावा किया था कि यह स्थल इस्लाम से पहले का है और अतीत में विवादित भूमि के संबंध में किए गए समझौतों की वैधता पर सवाल उठाया था। सुनवाई की शुरुआत में न्यायमूर्ति खन्ना ने याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील से कहा कि जनहित याचिका की आवश्यकता नहीं है क्योंकि एक ही मुद्दे पर कई सिविल मुकदमे लंबित हैं। जवाब में वकील ने शिकायत की कि हाई कोर्ट ने केवल इस आधार पर माहेश्वरी की याचिका खारिज कर दी थी कि अन्य मुकदमे लंबित थे। जस्टिस खन्ना ने कहा, आपने इसे जनहित याचिका के रूप में दायर किया, इसलिए इसे खारिज कर दिया गया। इसे सामान्य मुकदमे के रूप में दर्ज कराएं, हम देखेंगे।

'घटिया' दवाओं की आपूर्ति मामले में गृह मंत्रालय ने दिये सीबीआई जांच के आदेश

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के सरकारी अस्पतालों और मोहल्ला क्लीनिक्स में खराब गुणवत्ता की दवाओं की आपूर्ति के मामले में गृह मंत्रालय ने सीबीआई जांच का अप्रूवल दे दिया है। बता दें कि कुछ दिनों पहले दिल्ली के उप राज्यपाल वीके सक्सेना ने राष्ट्रीय राजधानी के सरकारी अस्पतालों में खराब गुणवत्ता की दवाओं आपूर्ति के मामले में केंद्रीय गृह मंत्रालय से सीबीआई जांच कराने की सिफारिश की थी। सूत्रों के मुताबिक दिल्ली सरकार के अस्पतालों से लिए गए दवाओं के कई सैंपल्स लैब टेस्ट में फेल हो गए थे। इसका संज्ञान लेते हुए दिल्ली के एलजी विनय कुमार सक्सेना ने केंद्रीय गृह मंत्रालय को पत्र लिखकर सीबीआई जांच कराने की मांग की थी। एलजी ने विजिलेंस डिपार्टमेंट की रिपोर्ट के आधार पर यह एक्शन लिया था। दिल्ली सरकार के अस्पतालों में खराब क्वालिटी की दवा पहुंचाने के मामले की जांच सीबीआई को सौंपने पर केजरीवाल सरकार के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा, मैंने मंत्री बनते ही दवाओं के ऑडिट के निर्देश दिए, लेकिन नगर स्वास्थ्य सचिव ने ऑडिट नहीं करवाई। हम इस मामले में सीबीआई जांच का स्वागत करते हैं। मगर केंद्र स्वास्थ्य सचिव को क्यों बचा रहा है?

'अस्पताल और ब्लड बैंक खून बेच नहीं सकते, केवल प्रोसेसिंग फीस वसूल सकते हैं'

नई दिल्ली। अस्पतालों में अकसर देखा जाता है कि जिन मरीजों को अर्जेंट में खून चाहिए होता है, ब्लड बैंक उनसे ओवरचार्जिंग करते हैं, लेकिन अब इसको लेकर सरकार ने सख्त रुख अपनाया है। सरकार ने नेशनल ब्लड ट्रांसफ्यूशन काउंसिल द्वारा जारी गाइडलाइंस का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए हैं। ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया ने कहा है कि अस्पताल और ब्लड बैंक खून देने के बदले में केवल प्रोसेसिंग फीस ले सकते हैं। इसको लेकर डीसीजीआई ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के ड्रग कंट्रोलर और सह-लाइसेंसिंग अधिकारियों को पत्र लिखा है, जिसमें कहा गया है कि ये फैसला इसलिए लिया गया कि खून बेचने के लिए नहीं है। इस चिट्ठी में ड्रग एडवाइजरी कमेटी की 26 सितंबर को हुई 62वीं बैठक का जिक्र किया गया है। डीसीजीआई ने लिखा, ष्लड के लिए अधिक शुल्क लेने के संबंध में एटीआर बिंदु तीन के एजेंडा संख्या 18 के संबंध में यह सिफारिश की गई, यह राय व्यक्त की गई कि ब्लड बिक्री के लिए नहीं है, यह केवल आपूर्ति के लिए है और ब्लड बैंक केवल प्रोसेसिंग फीस लगा सकते हैं।ष ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के ड्रग कंट्रोलर्स से कहा है कि वे अपने अधिकार क्षेत्र के तहत सभी ब्लड बैंकों को संशोधित दिशानिर्देशों का पालन करने का निर्देश दें।

आईजी व एसएसपी ने 55 लाख के खोए मोबाइल जनता को लौटाए

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। देश के विभिन्न राज्यों की पुलिस से समन्वय स्थापित कर खोए हुए करीब 55 लाख रुपये कीमत के मोबाइल फोन आज आईजी गढ़वाल व एसएसपी द्वारा जनता को लौटाए गये। खोए हुए मोबाइल पाकर लोगों के चेहरों पर खुशी साफ नजर आयी।

सीसीआर भवन में आयोजित कार्यक्रम में आज आईजी गढ़वाल रेंज करण सिंह नगन्याल व एसएसपी हरिद्वार प्रमेन्द्र डोबाल ने आमजन एवं यात्रियों के खोए हुए विभिन्न कंपनियों के कुल 353 मोबाइल फोन उनके मालिकों को लौटाए गये है।

जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों में खोए मोबाईल फोनों की बरामदगी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत साइबर क्राइम सेल ने करीब 55 लाख रुपए के मोबाइल फोन बरामद किए। इसमें से कई मोबाईल फोन विभिन्न राज्यों से आये तीर्थ यात्रियों के हैं, जबकि कुछ मोबाइल फोन स्थानीय निवासियों के हैं।

इस दौरान साईबर सेल टीम ने समस्त थानों से प्राप्त प्रार्थना पत्रों के विवरण के आधार पर मोबाइल फोनों को बरामद करने के लिए सर्विलांस व अन्य माध्यमों की मदद ली। प्राप्त हुई लोकेशन के आधार पर भारत के विभिन्न राज्यों की पुलिस से समन्वय स्थापित कर गुमशुदा मोबाईलों को हरिद्वार मंगाया गया। विगत वर्षों से खोए हुए मोबाइलों को बरामद करने के लिए किए जा रहे प्रयासों के क्रम में हरिद्वार पुलिस द्वारा अब तक कुल 1 करोड़ 61 लाख बाजार कीमत के कुल 1376 मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। मोबाइल पाकर लोगों के चेहरों पर खुशी नजर आई है।

लोन बंद कराने के नाम पर ठगे 99 हजार रुपये

संवाददाता

देहरादून। होम क्रेडिट में पर्सनल लोन को बंद कराने के नाम पर 99 हजार 998 रूपये की ठगी करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बंजारावाला निवासी नवाब अली ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका पर्सनल लोन होम क्रेडिट में चल रहा था उसने अपना लोन बंद कराना था उसने गूगल से होम क्रेडिट का कस्टमर केयर नम्बर निकाला तथा उक्त कस्टमर केयर नम्बर से बात हुई कस्टमर केयर द्वारा बताया गये 2 रूपये का फार्म भरा जायेगा आनलाइन और लोन बंद होकर एक हफ्ते में एनओसी आ जायगी जब एक सप्ताह गुजर गया तो उसकी एनओसी नहीं आई तो उसने उक्त कस्टमर केयर नम्बर पर बात करना चाही तो नम्बर बंद आ रहा है और उसके खाते से 99998 रूपये निकल गये तब उसको पता चला कि उसके साथ धोखाधड़ी हो गई है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

शासन ने पांच आईपीएस व पांच पीपीएस अधिकारियों का किया स्थानांतरण

संवाददाता

देहरादून। शासन ने पांच आईपीएस व पांच पीपीएस अधिकारियों के कार्यक्षेत्र में फेरबदल करते हुए प्रमोद कुमार को दून का एसपी सिटी का कार्यभार सौंपा।

❑ प्रमोद कुमार बने एसपी सिटी देहरादून

आज यहां शासन ने पांच आईपीएस व पांच पीपीएस अधिकारियों के कार्यक्षेत्र में फेरबदल करते हुए देवेन्द्र पींचा को पुलिस अधीक्षक चम्पावत से एसएसपी अल्मोडा का कार्यभार सौंपा। इसके अतिरिक्ति सुखबीर सिंह को सेनानायक आईआरबी प्रथम बैलपडाव रामनगर से पुलिस उपमहानिरीक्षक अभिसूचना, रामचंद्र राजगुरू को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अल्मोडा से सेनानायक, आईआरबी-प्रथम बैलपडाव रामनगर नैनीताल, अजय गणपति कुम्भार को पुलिस अधीक्षक रेलवेज हरिद्वार से पुलिस अधीक्षक चम्पावत व कमलेश उपाध्याय को पुलिस अधीक्षक ग्रामीण देहरादून से पुलिस अधीक्षक, अपराधा एवं कानून व्यवस्था पुलिस मुख्यालय का कार्यभार सौपा है। प्रान्तीय पुलिस सेवा के सरिता डोबाल को पुलिस अधीक्षक नगर देहरादून से पुलिस अधीक्षक रेलवेज हरिद्वार, प्रमोद कुमार को पुलिस अधीक्षक अपराध एवं कानून व्यवस्था पुलिस मुख्यालय से पुलिस अधीक्षक नगर देहरादून, लोकजीत सिंह को खण्डाधिकारी खण्ड देहरादून सीबीसीआईडी उत्तराखण्ड से पुलिस अधीक्षक ग्रामीण देहरादून, पंकज गैरोला को अपर पुलिस अधीक्षक देहरादून पुलिस अधीक्षक अपराध एवं यातायात हरिद्वार, मनोज कुमार ठाकुर को अपर पुलिस अधीक्षक हरिद्वार से खण्डाधिकारी खण्ड, देहरादून सीबीसीआईडी का कार्यभार सौपा हैं तथा सभी को तत्काल प्रभाव से अपना कार्यभार ग्रहण करने के आदेश दिये।

तीन दुपहिया वाहन चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने तीन स्थानों से तीन दुपहिया वाहन चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कारगी चौक निवास अजय कुमार ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह किसी काम से मद्रासी कालोनी गया था उसने मोटरसाईकिल निरंकारी भवन के पीछे खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी। वहीं बनारसी दास क्वाटर्स निवासी विनय नागपाल ने कोतवाली में गांधी पार्क के बाहर से अपनी एक्टिवा चोरी होने का मुकदमा दर्ज कराया। इसके साथ ही व्योमप्रस्थ जीएमएस रोड निवासी आर्य चौधरी ने बसंत विहार थाने में अपने घर के बाहर से मोटरसाईकिल चोरी होने का मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने तीनों मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

जगमोहन सेठी के निधन पर पत्रकार जगत में शोक

❑ मुख्यमंत्री ने भी दुख प्रकट किया

संवाददाता

देहरादून। वरिष्ठ पत्रकार जगमोहन सेठी के निधन पर पत्रकार जगत में शोक की लहर दौड गयी। उनकी मृत्यु का पता चलते ही काफी संख्या में पत्रकार उनके निवास स्थान पर पहुंचे। सुबह साढ़े ग्यारह बजे लक्खीबाग श्मशान घाट में उनको अंतिम विदाई दी गयी।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी जगमोहन सेठी के निधन पर शोक प्रकट किया और उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रभु से कामना की।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।